Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 184 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, मंगलवार 14 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

घर में पर्याप्त प्रकाश और हवा रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में प्राकृतिक प्रकाश और ताजी हवा का नियमित प्रवेश अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। सूर्योदय के समय खिड़कियां और दरवाजे खोलने से सूर्य की किरणें घर में प्रवेश करती हैं, जिससे वातावरण स्वच्छ, ऊर्जावान और सकारात्मक बना रहता है। पर्याप्त रोशनी और शुद्ध हवा न केवल मानसिक शांति प्रदान करती है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होती है। अंधेरे, बंद और सीलन वाले स्थान नकारात्मकता, तनाव और आलस्य को बढ़ा सकते हैं। इसलिए घर के प्रत्येक कमरे में हवा के आवागमन की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

कॉल करें: 9770440000
अब समय है अपने भविष्य को संवारने का!

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बोले-जनहित और विकास होगा विधानसभा पावस सत्र का केंद्र

कार्य मंत्रणा समिति की बैठक आयोजित, पावस सत्र की कार्यवाही पर बनी सहमति

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के आगामी पावस सत्र को सुचारु, व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक विधानसभा के समिति कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सत्र के दौरान होने वाले शासकीय एवं गैर-शासकीय कार्यों, प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण, शून्यकाल, विधेयकों की प्रस्तुति तथा अन्य संसदीय कार्यों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरकार की ओर से पावस सत्र में प्रस्तुत किए जाने वाले महत्वपूर्ण विधेयकों एवं जनहित से जुड़े विषयों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विधानसभा में जनकल्याण, विकास और सुशासन से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है तथा विपक्ष के रचनात्मक सुझावों का भी स्वागत किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने विपक्ष की ओर से विभिन्न जनहित के मुद्दों को सदन में प्रभावी ढंग से उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विधानसभा जनता की आवाज़ का सबसे बड़ा मंच है और सभी सदस्यों को संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए सकारात्मक चर्चा करनी चाहिए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम तथा वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने भी अपने-अपने सुझाव रखे। समिति के सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि सदन की कार्यवाही अधिकतम समय तक संचालित हो, जिससे जनहित के अधिक से अधिक विषयों पर चर्चा संभव हो सके।

बैठक के दौरान प्रश्नकाल के संचालन, विधेयकों की प्रस्तुति, विभिन्न विभागों से जुड़े विषयों पर चर्चा के लिए समय निर्धारण तथा सदन के सुचारु संचालन से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सभी पक्षों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सत्ता पक्ष और विपक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय मर्यादाओं का पालन करते हुए जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करेंगे।

बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि पावस सत्र के दौरान जनता से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और सदन की कार्यवाही को अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाने के लिए सभी सदस्य सकारात्मक भूमिका निभाएंगे। कार्य मंत्रणा समिति की इस बैठक को पावस सत्र की सफल और व्यवस्थित शुरुआत की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बैठक में समिति के अन्य सदस्यों और विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया तथा सत्र की तैयारियों की समीक्षा की गई। समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी दलों के सहयोग से पावस सत्र शांतिपूर्ण, गरिमामय और जनहितकारी ढंग से संपन्न होगा।

उद्योगों के साथ पर्यावरण संरक्षण की नई साझेदारीः आवास और पर्यावरण मंत्री ओ. पी. चौधरी

रायपुर। राज्य में मानसून-2026 के दौरान औद्योगिक इकाइयों द्वारा संचालित वृक्षारोपण कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए आज आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी की मुख्य आतिथ्य में बेबीलॉन कैपिटल, रायपुर में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य की प्रमुख मीडियम एवं लार्ज स्केल औद्योगिक इकाइयों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, आवास एवं पर्यावरण विभाग तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। राज्य सरकार निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है, लेकिन पर्यावरणीय मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल लक्ष्य पूरा करने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का जीवित रहना सबसे महत्वपूर्ण है। सही समय पर, उपयुक्त प्रजाति के स्वस्थ पौधों का रोपण तथा उनकी नियमित देखभाल और सिंचाई सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने उद्योगों से पीपल, शिरीष, नीम, आम, कटहल सहित स्थानीय एवं दीर्घायु प्रजातियों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 'मन की बात' कार्यक्रम में मियावाकी पद्धति जैसी आधुनिक वृक्षारोपण तकनीकों का उल्लेख किया है और ऐसे नवाचारों को अपनाने से हरित आवरण तेजी से बढ़ाया जा सकता है। मंत्री चौधरी ने सभी उद्योगों से अपने परिसर तथा आसपास हरित वातावरण विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि 31 जुलाई तक वृक्षारोपण का निर्धारित लक्ष्य पूरा किया जाए तथा 15 अगस्त तक गुणवत्तापूर्ण पौधरोपण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाएगी तथा पोर्टल पर समयबद्ध प्रविष्टि अनिवार्य होगी।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। स्वच्छ हवा, स्वच्छ जल और सुरक्षित पर्यावरण आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उद्योगों को उत्पादन के साथ-साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का भी पूरी गंभीरता से पालन करना चाहिए।

SHORT NEWS

गो हत्या बैन के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोकः कहा- इसमें सुधार की जरूरत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु सरकार को बकरीद या किसी भी दिन राज्य में गाय-बछड़ों के वध पर रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस आदेश में सुधार की जरूरत है। राज्य सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के 27 मई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि जब कानून तय श्रेणी की गायों के वध की अनुमति देता है, और उसके लिए निर्धारित स्थान भी तय हैं, तब अदालत का ऐसा निर्देश कानून के प्रावधानों के विपरीत है। इसे कायम नहीं रखा जा सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने आज इस मामले में नोटिस जारी किया और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी।

महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने की 47 प्रकरणों की सुनवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं प्रभारी सदस्य सरला कोसरिया ने आज जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभाकक्ष में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रस्तुत प्रकरणों पर जन सुनवाई की। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में प्रदेश स्तर पर 411 एवं जिला में 23 वां जन सुनवाई हुई। आज की जनसुनवाई में प्रकरण संख्या 47 है। अन्य प्रकरण में आवेदिकागण, आनावेदक की पुत्री है उन्होने बताया कि उनके पिता मेडिकल में काम करते है व 14 वर्ष से अलग रहते है।

पुनर्वास नीति के तहत मिला कौशल, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

रायपुर। ड्राइविंग प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर स्वरोजगार (सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट) अपनाना आत्मनिर्भर बनने का एक बेहतरीन मार्ग है। विधिवत प्रशिक्षण और वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के बाद, व्यक्तिगत कैब चालक व्यावसायिक परिवहन (ट्रांसपोर्ट/लॉजिस्टिक कंपनियों में ड्राइवर), या अपना खुद का वाहन खरीद कर स्वतंत्र रूप से टैक्सी व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। सुकमा जिले में नक्सल पुनर्वास नीति के तहत युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल सकारात्मक परिणाम दे रही है। इसी कड़ी में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सुकमा में आयोजित 31 दिवसीय ड्राइविंग प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इस प्रशिक्षण में 31 पुनर्वासित युवाओं ने भाग लेकर रोजगार की नई राह की ओर कदम बढ़ाया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक दिलीप साहू ने युवाओं को सुरक्षित और कुशल वाहन संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इसके साथ ही वाहन की सामान्य मरम्मत और रखरखाव की तकनीकी जानकारी भी दी गई, ताकि वे भविष्य में नौकरी के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त कर सकें।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ, मंत्री ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

रायपुर। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सरगुजा जिले में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, छोटे परिवार के महत्व तथा जनसंख्या स्थिरता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों से जागरूक करेगा।

इस अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि स्वस्थ परिवार ही समृद्ध समाज और विकसित राष्ट्र की सबसे मजबूत आधारशिला है। जनसंख्या स्थिरता केवल जनसंख्या नियंत्रण का विषय नहीं, बल्कि माताओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, परिवार की आर्थिक उन्नति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा समाज के संतुलित विकास से जुड़ा एक व्यापक सामाजिक अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार यदि जिम्मेदारीपूर्वक परिवार नियोजन को अपनाए और बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतर रखे, तो आने वाली पीढ़ी अधिक स्वस्थ, शिक्षित और सक्षम बन सकेगी।

पुलिस ट्रांसफरः कई थाना प्रभारियों के तबादले, डीसीपी स्तर पर भी नई जिम्मेदारियां

रायपुर। राजधानी रायपुर में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। थाना प्रभारियों की नई पदस्थापना के साथ ही रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी स्तर पर भी नई जिम्मेदारियां तय की गई हैं। इस संबंध में पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने थाना प्रभारियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं, जबकि गृह विभाग ने डीसीपी स्तर की नई पदस्थापनाओं की अधिसूचना जारी की है।

जारी आदेश के अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी सतीश गहरवार को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (ष्टष्ट) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं राजेश सिंह को आजाद चौक थाना प्रभारी, परस पटेल को सरस्वती नगर थाना प्रभारी तथा नरेंद्र साहू को गुढ़ियारी थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।

दूसरी ओर, रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी स्तर पर भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। दीपमाला कश्यप को रायपुर उत्तर जोन का डीसीपी, तारकेश्वर पटेल को रायपुर मध्य जोन का डीसीपी बनाया गया है। वहीं अर्चना झा को यातायात एवं प्रोटोकॉल डीसीपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

30 लाख का महतारी सदन, डिजिटल कक्ष, व्यावसायिक भवन और अतिरिक्त कमरों का लोकार्पण-भूमिपूजन

रायपुर। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने शनिवार को आरंग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मंदिर हसौद और ग्राम रीवां का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों को करोड़ों रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देते हुए कई महत्वपूर्ण लोकार्पण एवं भूमिपूजन किए।

बृजमोहन अग्रवाल ने मंदिर हसौद में 66.02 लाख की लागत से नवनिर्मित नवीन तहसील कार्यालय का भव्य लोकार्पण किया, जिससे अब स्थानीय लोगों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

इसके पश्चात उन्होंने ग्राम रीवां में 30 लाख की लागत से बने भव्य 'महतारी सदन', महात्मा गांधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 21 लाख की लागत से बने अतिरिक्त कक्ष और 10 लाख की लागत से बने अटल व्यावसायिक भवन का लोकार्पण किया। साथ ही 5 लाख की लागत से बनने वाले अटल डिजिटल कक्ष का भूमिपूजन भी किया।

दौरान ग्रामीणों ने सांसद अग्रवाल से शिकायत की कि रीवां से सिवनी जाने वाले रास्ते पर स्थित बूढ़ी नाला की दोनों पुलिया भारी बारिश के कारण बह गई हैं, जिससे आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। सांसद ने तुरंत संज्ञान लेते हुए मौके का मुआयना किया और एसडीएम को मनरेगा के तहत दोनों पुलिया के त्वरित निर्माण के लिए 5-5 लाख रुपए (कुल 10 लाख रुपए) तत्काल जारी करने के निर्देश दिए ताकि खेती-किसानी प्रभावित न हो। इसके साथ ही, ग्राम रीवां में पानी की समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए 4 करोड़ की लागत से स्टॉप डैम के निर्माण की घोषणा की।

अंशधारी सदस्यता से किसानों की भागीदारी होगी और मजबूत : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

भोरमदेव शक्कर कारखाना में 4 हजार 691 किसानों को मिला अंशधारी सदस्यता का अधिकार

रायपुर। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना से जुड़े 4 हजार 691 गन्ना उत्पादक किसानों के लिए रविवार ऐतिहासिक दिन बन गया। वर्षों से अंशधारी सदस्य बनने की प्रतीक्षा कर रहे इन किसानों को नवीन अंशधारी सदस्य बनाते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शेयर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कवर्धा के पीजी कॉलेज डोम में आयोजित कृषक संगोष्ठी एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र सौंपते हुए कहा कि यह पहल किसानों को सहकारिता की मजबूत भागीदारी से जोड़ते हुए उनकी आय बढ़ाने और क्षेत्र में गन्ना उत्पादन को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि भोरमदेव शक्कर कारखाना में गन्ना बेचने वाले ऐसे 4 हजार 691 किसानों को आज शेयर प्रमाण पत्र दिए गए, जो अब तक अंशधारी सदस्य नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन किसानों ने बिना शेयरधारक बने भी फैक्ट्री को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी योगदान को सम्मान देते हुए उन्हें आज कारखाना का अंशधारी सदस्य बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले पेराई सत्र में फैक्ट्री में 2 लाख 55 हजार 818 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई हुई थी। वर्तमान में फैक्ट्री के लगभग 23 हजार शेयरधारक हैं। वहीं, 4,691 गैर-अंशधारी किसानों ने भी गन्ना विक्रय किया था। इन्हीं किसानों को अब शेयर प्रमाण पत्र देकर कारखाना की सदस्यता प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैक्ट्री किसानों की अपनी फैक्ट्री है और इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी किसानों की है। उन्होंने कहा कि यदि किसान संकल्प लेकर इस वर्ष साढ़े चार लाख मीट्रिक टन गन्ने की आपूर्ति करेंगे, तो फैक्ट्री और मजबूत होगी। इससे किसानों को एफआरपी का समय पर भुगतान, बेहतर रिकवरी और भविष्य में अधिक लाभांश मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। उन्होंने गन्ना बोनस बढ़ाने के लिए भी सकारात्मक प्रयास किए जाने की बात कही।

उप मुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर सहसपुर लोहारा में लगा विशेष राजस्व शिविर

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा तहसील में विशेष राजस्व समस्या निवारण शिविरों की श्रृंखला का शुभारंभ शनिवार को मंगल भवन, सहसपुर लोहारा में हुआ। कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित पहले शिविर में राजस्व संबंधी मामलों के त्वरित निराकरण के लिए आमजन से आवेदन प्राप्त कर उनका मौके पर समाधान किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू ने कहा कि उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की पहल पर आयोजित इन विशेष शिविरों का उद्देश्य राजस्व संबंधी समस्याओं का शीघ्र और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि सहसपुर लोहारा तहसील मुख्यालय में जुलाई और अगस्त माह के दौरान कुल पांच विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सके।कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने अधिकारियों को शिविर में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। जिन मामलों में न्यायालयीन प्रक्रिया आवश्यक है, उनमें भी त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आवेदकों को पूरी प्रक्रिया की जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन देने कहा।

मौके पर मिली ऋण पुस्तिका

शिविर के दौरान सिंघनपुरी निवासी रामकुमार तथा पिरचाटोला निवासी खेमसिंह को मौके पर ही ऋण पुस्तिका प्रदान की गई। शिविर में जाति प्रमाण पत्र, अभिलेख सुधार, फौती नामांतरण, जन्म प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका, भू-अधिकार पट्टा, बिक्री नकल, राशन कार्ड तथा बिजली कनेक्शन सहित विभिन्न विषयों से संबंधित कुल 96 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 85 प्रकरणों का शिविर में ही निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष 11 प्रकरणों में न्यायालयीन प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

चार और विशेष शिविर होंगे आयोजित

अपर कलेक्टर नरेंद्र पैंकरा ने बताया कि सहसपुर लोहारा तहसील में 21 जुलाई, 1 अगस्त, 11 अगस्त और 21 अगस्त को चार और विशेष राजस्व समस्या निवारण शिविर, मंगल भवन सहसपुर लोहारा में आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में अविवादित एवं विवादित नामांतरण-बंटवारा, सीमांकन, ऋण पुस्तिका वितरण, नक्शा अद्यतन एवं बटांकन, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, डिजिटल हस्ताक्षर, आधार एवं मोबाइल नंबर अद्यतन, अभिलेख शुद्धता, त्रुटि सुधार, व्यपवर्तन, स्वामित्व योजना सहित सभी प्रकार के राजस्व प्रकरणों के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया जाएगा।

संदीप अग्रवाल को भारतीय जनता पार्टी NGO प्रकोष्ठ का रायपुर संभाग प्रभारी नियुक्त किया गया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ के शीर्ष नेतृत्व ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सामाजिक कार्यकर्ता संदीप अग्रवाल को भारतीय जनता पार्टी **NGO** प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ का रायपुर संभाग प्रभारी नियुक्त किया है।

इस नियुक्ति पर संदीप अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय जी, भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय किरण सिंह देव जी, प्रदेश संगठन महामंत्री आदरणीय पवन साय जी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री आदरणीय अजय जामवाल जी, प्रदेश महामंत्री आदरणीय डॉ. नवीन मारकंडेय जी, आदरणीय यशवंत जैन जी तथा भारतीय जनता पार्टी **NGO** प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के प्रदेश संयोजक आदरणीय दिनेश सिंह जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। संदीप अग्रवाल ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने एक सामान्य कार्यकर्ता पर विश्वास व्यक्त करते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है, जिसके लिए वे सदैव कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे तथा भारतीय जनता पार्टी की सेवा, सुशासन और जनकल्याण की भावना को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे।

उल्लेखनीय है कि संदीप अग्रवाल लंबे समय से मानवाधिकार संरक्षण, गौसेवा, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, पुनर्वास कार्य तथा भोजन सेवा जैसे सामाजिक एवं सेवा कार्यों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। वे समाज सेवा के माध्यम से जनहित के अनेक कार्यों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

बस्तर में बढ़ेगा तिलहनी फसलों का रकबा

रायपुर । बस्तर जिले में किसानों की आय बढ़ाने और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने की दिशा में कृषि विज्ञान केंद्र ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। खरीफ सीजन में जिले के विभिन्न विकासखंडों में 225 एकड़ क्षेत्र में रामतिल (नाइजर) और तिल (सेसमे) के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य मक्का जैसी पारंपरिक फसलों के विकल्प के रूप में कम लागत और अधिक लाभ देने वाली तिलहनी फसलों को बढ़ावा देना है, जिससे किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ मिल सके। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा तैयार कार्ययोजना के अनुसार बस्तानार, बस्तर, दरभा तथा चित्रकोट के गुरिया क्षेत्र में कुल 200 एकड़ में रामतिल का प्रदर्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम से लगभग 100 से 200 प्रगतिशील किसानों को जोड़ा जा रहा है।

जशपुर के चार वन परिक्षेत्रों में 32 हाथियों का विचरण, विभाग अलर्ट

रायपुर। जशपुर वनमण्डल के चार वन परिक्षेत्रों में इन दिनों लगभग 32 हाथियों का दल सक्रिय रूप से विचरण कर रहा है। हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग पूरी तरह सतर्क है और संभावित मानव-हाथी द्वंद की घटनाओं को रोकने के लिए लगातार निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

वन विभाग के अनुसार वन परिक्षेत्र दुलदुला के धुरीअम्बा, करडेगा, केन्दापानी, धांधअम्बा, बुकना, मधुटोली और कोहड़ापहरी, वन परिक्षेत्र पत्थलगांव के खाडामाचा, हरदीझरिया, पीठाआमा, राजाआमा, खमगढ़ा, महेशपुर, काडरो और झिमकी, वन परिक्षेत्र कांसाबेल के चेटबा, नारायणबहली, मड़ियाझरिया और सोनाजोरी तथा वन परिक्षेत्र बगीचा के झिक्की, खंताडांड, टटकेला, परसाडांड, पेटा, कुरडेग, बिमड़ा, सामरबार, दुर्गापारा, सुईकोना, मैनी, बुचीढांड और जुजगु सहित आसपास के क्षेत्रों में हाथियों की आवाजाही दर्ज की गई है।

वनमण्डलाधिकारी ने बताया कि हाथियों की गतिविधियों पर रैपिड रिस्पॉन्स टीम (आरआरटी) और वन विभाग का मैदानी अमला 24 घंटे निगरानी रखे हुए है। हाथियों की लोकेशन का लगातार पता लगाकर आसपास के गांवों में तत्काल सूचना दी जा रही है। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क रहने और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जा रही है।

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के विचरण के दौरान लकड़ी, चारा या अन्य निस्तार कार्यों के लिए जंगल में प्रवेश न करें। किसी भी स्थिति में हाथियों के पास जाने, उन्हें उकसाने, उनका पीछा करने अथवा सेल्फी और वीडियो बनाने का प्रयास न करें, क्योंकि इससे गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

विभाग ने बताया कि ग्राम स्तर पर जनप्रतिनिधियों, वन सुरक्षा समितियों और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से हाथियों की गतिविधियों की जानकारी लगातार साझा की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल वन विभाग द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं का पालन करने का आग्रह किया गया है।वन विभाग ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि रात्रि के समय अनावश्यक रूप से जंगल या हाथियों के विचरण वाले क्षेत्रों में न जाएं। यदि कहीं हाथियों की मौजूदगी दिखाई दे या उनकी गतिविधियों की जानकारी मिले, तो इसकी सूचना तुरंत निकटस्थ वन अधिकारी, वनकर्मी या आरआरटी को दें। विभाग का कहना है कि ग्रामीणों की सतर्कता, सहयोग और समय पर सूचना से मानव-हाथी द्वंद की घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है।

नकटी के 85 परिवारों के पुनर्वास की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन

रायपुर। ग्राम नकटी के लगभग 85 गरीब परिवारों के पुनर्वास और आवासीय अधिकारों की मांग को लेकर सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने विधायक अनुज शर्मा के आवास का घेराव कर प्रदर्शन किया। पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के निर्माण के कारण गरीब परिवारों के आशियाने पर संकट उत्पन्न हो गया है।

प्रदर्शन का नेतृत्व आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष नवनीत नंदे एवं युवा विंग के जिला अध्यक्ष विकास दास माणिकपुरी ने किया। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रभावित परिवारों के लिए सम्मानजनक पुनर्वास की मांग करते हुए शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन में लोकसभा अध्यक्ष अज़ीम खान, युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष इमरान खान, प्रदेश कार्यालय प्रभारी शिव शर्मा, आरटीआई विंग के सचिव संजय गुप्ता, महिला विंग की जिला अध्यक्ष अनुराधा शुक्ला, जिला कार्यकारी अध्यक्ष सागर क्षीरसागर, प्रदेश उपाध्यक्ष (सोशल मीडिया) मिथलेश साहू, जिला महासचिव नरेंद्र सिंह ठाकुर, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सनोज दास सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी ने मांग की कि प्रभावित परिवारों का सम्मानजनक पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए, चरागाह भूमि पर प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए तथा गरीब, मजदूर, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के आवासीय एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की जाए।

पार्टी नेताओं ने कहा कि वे प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से अपना आंदोलन आगे भी जारी रखेंगे। वहीं, इस संबंध में शासन अथवा संबंधित पक्ष की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

विधानसभा सत्र से पहले कांग्रेस की बैठक, सरकार को घेरने की बनेगी रूपरेखा

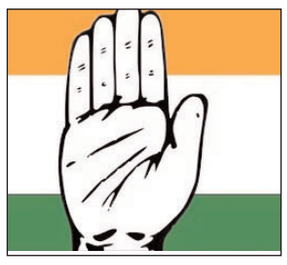

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के आगामी सत्र से पहले कांग्रेस विधायक दल की अहम बैठक रविवार को आयोजित होगी। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में विधानसभा के भीतर भाजपा सरकार को विभिन्न जनहित के मुद्दों पर घेरने की रणनीति तय की जाएगी।

बैठक में हाल ही में हुए नकटी बुलडोजर कांड को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए सरकार को घेरने की तैयारी की जाएगी। इसके अलावा प्रदेश में खाद संकट, कानून-व्यवस्था, जल जीवन मिशन की प्रगति और बिजली संबंधी समस्याओं जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा होगी।

वित्तीय नियोजन और प्रबंधन सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस की रणनीति विधानसभा सत्र के दौरान हर दिन एक महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाने की है, ताकि सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर किया जा सके। इस प्रस्तावित रणनीति पर बैठक में विस्तार से मंथन किया जाएगा।

बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता और सभी कांग्रेस विधायक मौजूद रहेंगे।

बीजापुर के जंगलों में नक्सलियों के 8 डंप बरामद, IED बनाने का सामान जब्त

बीजापुर । जिले के घने जंगलों में चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त टीम ने एंड्री गांव के जंगल से नक्सलियों के 8 छिपे हुए डंप बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में सीआरपीएफ की 199वीं बटालियन, 202 कोबरा और जिला पुलिस की संयुक्त टीम शामिल रही।

तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने आईईडी बनाने की सामग्री, डेटोनेटर, कॉर्डेक्स वायर, विस्फोटक, रेडियो सेट, मेडिकल सामग्री, इलेक्ट्रिक उपकरण समेत नक्सलियों के उपयोग की 69 प्रकार की सामग्री जब्त की।

अधिकारियों के अनुसार, इनका इस्तेमाल भविष्य में बड़े नक्सली हमलों की तैयारी के लिए किया जाना था।

पुलिस के मुताबिक, एंड्री और आसपास का क्षेत्र कभी नक्सलियों का मजबूत गढ़ माना जाता था, लेकिन लगातार चल रहे सुरक्षा अभियानों के कारण यहां नक्सली गतिविधियों में काफी कमी आई है। इससे स्थानीय ग्रामीणों में भी सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ा है।

सुरक्षाबलों ने कहा कि आसूचना आधारित अभियान आगे भी जारी रहेंगे। उनका उद्देश्य क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाकर विकास कार्यों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना है।

छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मया के चिन्हारी' का शुभ मुहूर्त, जल्द शुरू होगी शूटिंग

भिलाई। एनआरके प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मया के चिन्हारी' का शुभ मुहूर्त रायपुर के भाठागांव स्थित एक निजी होटल में विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। फिल्म का निर्माण राजेश नायक और मंजिल जम्भुलकर कर रहे हैं, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी श्रीमंत बारीक निभा रहे हैं। मुहूर्त समारोह में छॉलीवुड के संस्थापक निर्देशक सतीश जैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सुपरहिट निर्देशक मनोज वर्मा ने की। समारोह में छत्तीसगढ़ी एवं भोजपुरी फिल्मों के निर्माता-निर्देशक संतोष जैन, अभिनेता प्रदीप शर्मा और फिल्म की अभिनेत्री हेमा शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर निर्माता राजेश नायक और निर्देशक श्रीमंत बारीक ने फिल्म की कहानी, विषयवस्तु और निर्माण से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। वहीं सह-निर्माता मंजिल जम्भुलकर ने बताया कि फिल्म की शूटिंग प्रदेश के विभिन्न खूबसूरत लोकेशनों पर की जाएगी।

समारोह में फिल्म के कलाकार लक्षित झांजी, सक्षम नायक, अभिनेता शमशीर सिवानी, निर्देशक पुरूराज साहू, चंद्रशेखर चकोर, अभिनेत्री दीपिका सहित छॉलीवुड की कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। मुख्य अतिथि सतीश जैन ने कहा कि निर्माता राजेश नायक लंबे समय से छॉलीवुड से जुड़े हुए हैं और उन्हें छत्तीसगढ़ की लोककला, संस्कृति और संगीत की गहरी समझ है। उन्होंने कहा कि उनकी फिल्मों का संगीत हमेशा दर्शकों के दिलों में उतरता है और 'मया के चिन्हारी' भी गीत-संगीत आधारित एक शानदार फिल्म साबित होगी।

जशक्राफ्ट से छत्तीसगढ़ के बांस हस्तशिल्प को मिलेगी नई पहचान

रायपुर। जशपुर जिले में जिला प्रशासन द्वारा 'जशक्राफ्ट' ब्रांड के माध्यम से बांस हस्तशिल्प को नई पहचान देने, स्थानीय कारीगरों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने तथा उनकी आय में वृद्धि के उद्देश्य से विशेष पहल की जा रही है। विकासखंड जशपुर की ग्राम पंचायत झोलांगा में 29 जून से 29 जुलाई तक एक माह का आवासीय बांस हस्तशिल्प प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। जिला पंचायत एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के संयुक्त प्रयास से संचालित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बांस हस्तशिल्प से जुड़े लगभग 150 परिवारों की आजीविका को सशक्त बनाना है। वर्तमान में 46 महिलाओं का प्रथम बैच प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक मशीनों के उपयोग, नवीन डिजाइनों और वर्तमान बाजार की मांग के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले बांस उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए गुजरात के सूरत से विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया गया है। प्रशिक्षण में फैंसी ट्रे, गुलदस्ते, माचिया, सजावटी सामग्री, चटाई, आकर्षक टोकरियां, फर्नीचर, सोफा, पलंग सहित अनेक आधुनिक एवं उपयोगी उत्पाद बनाना सिखाया जा रहा है।

जशपुर और मनोरा विकासखंड में लगभग 250 परिवार वर्षों से बांस हस्तशिल्प के माध्यम से अपनी आजीविका अर्जित कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में बिहान स्व-सहायता समूहों की महिलाएं भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इन समूहों को चक्रीय निधि, सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ), बैंक लिंकेज तथा मुद्रा ऋण जैसी वित्तीय सुविधाओं से जोड़कर उनके उद्यमों को मजबूत बनाया जा रहा है। साथ ही समय-समय पर कौशल उन्नयन एवं उद्यमिता विकास संबंधी प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।जशक्राफ्ट ब्रांड के अंतर्गत तैयार हस्तशिल्प उत्पादों को रूरल मार्ट, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों तथा देश के विभिन्न बाजारों तक पहुंचाने के लिए डिजाइन एवं विपणन विशेषज्ञों की सेवाएं ली जा रही हैं, ताकि स्थानीय कारीगरों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिल सके और उन्हें स्थायी बाजार उपलब्ध हो। राज्य सरकार की यह पहल पारंपरिक बांस शिल्प को आधुनिक बाजार से जोड़ने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण, स्थानीय रोजगार सृजन, जनजातीय परिवारों की आय वृद्धि तथा आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

सीएम साय के निर्देश पर 24 घंटे में गणेश राम यादव को मिली ट्राइसाइकिल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन, संवेदनशीलता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की कार्यसंस्कृति एक बार फिर धरातल पर देखने को मिली। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम कमोसिनडांड निवासी जन्म से दिव्यांग गणेश राम यादव के संघर्षपूर्ण जीवन को लेकर प्रकाशित एक मार्मिक समाचार पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को बिना किसी विलंब के शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग ने अभूतपूर्व तत्परता दिखाते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर गणेश राम यादव के लिए ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी। यह पूरी प्रक्रिया रविवार के शासकीय अवकाश के दिन भी पूरी की गई, जो राज्य सरकार की संवेदनशील और जवाबदेह कार्यप्रणाली का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश मिलते ही समाज कल्याण विभाग और जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। विभागीय अधिकारियों की टीम जनपद पंचायत धरमजयगढ़ पहुंची और वहां से ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की गई। प्रशासनिक दल गणेश राम यादव

के घर भी पहुंचा, जहां उनके परिवार के सदस्यों, उनकी भाभी तथा वार्ड पंच से चर्चा की गई। उस समय गणेश राम यादव घर पर मौजूद नहीं थे, इसलिए उनके बड़े भाई विचित्र यादव को ट्राइसाइकिल सौंपते हुए यह जानकारी दी गई कि गणेश राम के घर लौटते ही उन्हें यह ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी जाए।

उल्लेखनीय है कि धरमजयगढ़ क्षेत्र से हाल ही में गणेश राम यादव की एक मार्मिक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वे हाथों के सहारे चलकर अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते दिखाई दे रहे थे। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वे वर्षों से ट्राइसाइकिल जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित थे। पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र में निवास करने के कारण उन्हें आवागमन, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए और प्रशासन ने भी संवेदनशीलता के साथ उनकी समस्या का समाधान सुनिश्चित किया।

ट्राइसाइकिल प्राप्त होने के बाद गणेश राम यादव के बड़े भाई विचित्र यादव के चेहरे पर राहत और संतोष स्पष्ट दिखाई दिया। भावुक माहौल में उन्होंने प्रशासन और शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उसने कहा कि अब तक गणेश राम यादव को छोटी-सी दूरी तय करने के लिए भी हाथों के सहारे सड़क और पगडंडियों पर चलना पड़ता था, जिससे उन्हें शारीरिक कष्ट के साथ-साथ सम्मानजनक जीवन जीने में भी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

दशकों का अंधेरा छँटा:नियद नेल्लानार योजना से जगमगाए नारायणपुर के वनांचल गांव

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल में बसे नारायणपुर जिले के ग्राम मोहन्दी और मसपुर के लोगों के लिए साल 2026 की यह गर्मियां एक ऐतिहासिक बदलाव लेकर आईं। दशकों से लालटेन और ढिबरी की मद्धम रोशनी में जिंदगी गुजार रहे इन आदिवासी बाहुल्य गांवों में जब पहली बार बिजली का बल्ब जला, तो ग्रामीणों की आंखें खुशी से छलक उठीं। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'नियद नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) योजना' ने इन दुर्गम इलाकों में विकास का नया सवेरा ला दिया है।

घने जंगलों, ऊंची पहाड़ियों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण ग्राम मोहन्दी के मिचिंगपारा, कोडियारपारा व बीचपारा और ग्राम मसपुर के गुडरापारा तक बिजली पहुंचाना किसी चुनौती से कम नहीं था। लेकिन जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के दृढ़ संकल्प के आगे हर बाधा छोटी साबित हुई। ?कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की टीम और निर्माण एजेंसी एम/एस माँ शारदा ने युद्धस्तर पर काम करते हुए समय-सीमा के भीतर इस चुनौतीपूर्ण विद्युत लाइन विस्तार कार्य को सफलता पूर्वक पूरा किया।

वनांचल के इन गांवों को रोशन करने के लिए सरकार ने दिल खोलकर बजट स्वीकृत किया। जिसमें ?ग्राम मोहन्दी में लगभग 61.79 लाख रूपए की लागत से तीनों पाराओं में बिजली का विस्तार किया गया, जिससे सीधे 40 परिवारों को पहली बार बिजली मिली। ?ग्राम मसपुर गुडरापारा 22.42 लाख रूपए की लागत से कार्य पूर्ण कर 5 परिवारों के घरों को विद्युत कनेक्शन से जोड़ा गया।

उर्वरक के अवैध भंडारण पर कृषि विभाग ने की 100 बोरी यूरिया जब्त

रायपुर। कोरबा जिले के उरगा में अवैध रूप से उर्वरक भंडारण किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर कृषि विभाग की टीम द्वारा तत्काल निरीक्षण एवं जांच की गई। निरीक्षण के दौरान सिलियरी भाटा, उरगा स्थित एक गोदाम में 100 बोरी (लगभग 4.5 टन) आईपीएल यूरिया का भंडारण पाया गया। जांच के दौरान संबंधित खाद विक्रेता से उर्वरक क्रय-विक्रय से संबंधित बिल एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, किंतु वह कोई वैध बिल प्रस्तुत नहीं कर सका। साथ ही, उक्त उर्वरक का भंडारण किस उद्देश्य से किया गया था, इसका भी संतोषजनक एवं स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया।

जांच में यह पाया गया कि श्याम खाद भंडार, उरगा द्वारा अघोषित गोदाम में 100 बोरी आईपीएल यूरिया का अवैध भंडारण किया गया था। इस पर कृषि विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उर्वरक का नमूना परीक्षण हेतु लिया गया तथा संपूर्ण 100 बोरी यूरिया को जब्त कर लिया गया।जब्त किए गए उर्वरक को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई पूर्ण होने तक महावीर अग्रवाल की सुपुर्दगी में सौंपा गया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि उर्वरकों के अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा इस प्रकार के मामलों में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजनारू दंतेवाड़ा के 84 युवाओं को एनएमडीसी में मिला इंटर्नशिप का अवसर

रायपुर। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के 84 युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास की राह आसान हो गई है। इन युवाओं को देश की प्रतिष्ठित नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम में नि:शुल्क व्यावहारिक प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिला है। शनिवार को लाइवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान सभी चयनित युवाओं को उनके नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन, जिला रोजगार विभाग और माई भारत संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल जिले के युवाओं को मुख्यधारा के रोजगार से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावी कदम है।

विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस वर्ष मई महीने में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर में जिले भर से 480 से अधिक युवाओं ने बढ़-चढ़कर आवेदन किया था। पूरी तरह से पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाने के बाद अंतिम रूप से 84 युवाओं का चयन किया गया है।

इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान युवाओं को छडक्ब् जैसी बड़ी कंपनी में काम करने का व्यावहारिक (ऑन-फील्ड) अनुभव मिलेगा। इसके साथ ही, प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रत्येक चयनित युवा को प्रति माह 9 हजार रुपये का स्टायपंड भी दिया जाएगा।

वन महोत्सव : जशपुर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मिल रहा जनसमर्थन

रायपुर। वन महोत्सव के अवसर पर जशपुर वनमण्डल में संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। वन परिक्षेत्र पत्थलगांव, बगीचा और कांसाबेल में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, वन सुरक्षा समितियों, स्व-सहायता समूहों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधारोपण किया।

शासकीय प्रताप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (पत्थलगांव), बालक आश्रम बिमड़ा (बगीचा) तथा आंगनबाड़ी केन्द्र लमडांड एवं प्राथमिक स्कूल केन्दुटोला (कांसाबेल) में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान छायादार, फलदार एवं स्थानीय जलवायु के अनुकूल विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ प्रत्येक नागरिक को अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण के लिए प्रेरित करना है।

इस अवसर पर अतिथियों और वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के जीवन चक्र का आधार हैं। जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय संकट और जैव विविधता संरक्षण जैसी चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि श्एक पेड़ माँ के नामश् अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि मातृत्व के सम्मान, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का जनआंदोलन है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वृक्षों के पर्यावरणीय, सामाजिक और वैज्ञानिक महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही पौधों की नियमित देखभाल, जल संरक्षण और हरित वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया।

वन विभाग द्वारा वन महोत्सव के दौरान जशपुर वनमण्डल के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, वन सुरक्षा समितियों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवा मंडलों और स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जा सके।

वनमण्डलाधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत लगाए गए प्रत्येक पौधे के संरक्षण और नियमित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि प्रत्येक नागरिक अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो यह अभियान हरित, स्वच्छ और समृद्ध भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

जब व्यवस्था हो मजबूत, तब खेती बने और समृद्ध

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रही है। खरीफ सीजन में किसानों को खाद, बीज एवं अन्य कृषि आदान सामग्री की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सहकारी समितियों में पर्याप्त भंडारण एवं नियमित वितरण की व्यवस्था की गई है। इससे किसानों को बिना किसी परेशानी के समय पर कृषि कार्य प्रारंभ करने में सुविधा मिल रही है। कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड के विजयपुर के किसान कन्हैया लाल कंवर, जो लगभग 3 एकड़ भूमि पर धान की खेती करते हैं, इस व्यवस्था से बेहद संतुष्ट हैं। वे खरीफ सीजन के लिए आवश्यक खाद एवं प्रमाणित धान बीज लेने सहकारी समिति कटघोरा पहुंचे। उन्होंने बताया कि समिति में सभी आवश्यक कृषि आदान सामग्री आसानी से उपलब्ध हो गई, जिससे उन्हें अलग-अलग स्थानों पर भटकना नहीं पड़ा और खेती की तैयारी समय पर पूरी हो सकी।

डिजिटल क्रांति से बदली नारायणपुर के किसानों की तकदीर: एग्रीस्टेक पंजीयन ने दूर की खाद-बीज की चिंता

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल पहल 'एग्रीस्टेक किसान पंजीयन' बस्तर अंचल के किसानों के लिए खेती-किसानी को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने का एक बड़ा माध्यम बनकर उभरी है। शुरुआत में तकनीकी दिक्कतों के कारण कुछ किसानों को पंजीयन में परेशानी जरूर हुई, लेकिन नारायणपुर जिला प्रशासन और राजस्व विभाग की तत्परता ने इस चुनौती को एक मिसाल में बदल दिया। प्रशासन की संवेदनशीलता के कारण अब अंदरूनी क्षेत्रों के किसान बिना किसी बाधा के समय पर खाद-बीज और अन्य कृषि सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

ग्राम कुकड़ाझोर के निवासी किसान बीरसिंह पिता माहरू के लिए इस साल का खरीफ सीजन शुरुआत में चिंताओं भरा था। तकनीकी कारणों से उनका एग्रीस्टेक पंजीयन नहीं हो पा रहा था, जिसकी वजह से उन्हें सहकारी समिति से खाद और बीज मिलने में दिक्कत आ रही थी। खेती का समय निकला जा रहा था और बीरसिंह लगातार प्रयासों के बाद भी तकनीकी त्रुटि के कारण पंजीयन नहीं करा पा रहे थे। परेशान होकर बीरसिंह ने नारायणपुर तहसील कार्यालय का दरवाजा खटखटाया।अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल तकनीकी विशेषज्ञों से जांच कराकर त्रुटियों को दूर किया। कुछ ही समय में बीरसिंह का पंजीयन सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया। बीरसिंह ने कहा कि अगर प्रशासन समय पर मेरी मदद नहीं करता, तो इस साल मेरी पूरी खेती पिछड़ जाती। अधिकारियों की त्वरित पहल से मेरी चिंता दूर हो गई और अब मुझे समय पर खाद-बीज मिल गया है।

42 हजार से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों के खातों में पहुंचे 40.72 करोड़ रुपए

रायपुर। सुकमा जिले के तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विभाग ने मुस्तैदी दिखाते हुए रिकॉर्ड समय में तेंदूपत्ता संग्रहण का भुगतान पूरा कर लिया है। अब तक जिले के 42 हजार 178 संग्राहकों के बैंक खातों में कुल 40.72 करोड़ रुपये की राशि सीधे ट्रांसफर की जा चुकी है।

वन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में सुकमा जिले के कुल 46 हजार 620 तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए कुल 46.04 करोड़ रुपये के भुगतान का प्रावधान किया गया है। विभागीय तत्परता के चलते इसमें से 88.45 प्रतिशत राशि का भुगतान 11 जुलाई तक सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। जिला प्रशासन और वन विभाग का लक्ष्य है कि शेष बचे पात्र संग्राहकों के खातों में भी जुलाई माह के अंत तक शत-प्रतिशत राशि जमा करा दी जाए।

सुकमा के जिला वन मंडलाधिकारी (छस्नह) श्री अक्षय भोंसले ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष जिले में कुल 83 हजार 710 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरी भुगतान प्रक्रिया को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से अंजाम दिया गया है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और पूरी पारदर्शिता के साथ राशि सीधे ग्रामीणों के खातों में पहुंची है।

तेंदूपत्ता से होने वाली यह आय सुकमा के वनाश्रित और ग्रामीण परिवारों की आजीविका का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। मानसून के इस सीजन में समय पर पैसा मिलने से स्थानीय ग्रामीणों को बेहद मदद मिल रही है। ग्रामीण परिवार खरीफ की फसल के लिए समय पर उन्नत बीज, उर्वरक (खाद) और आवश्यक कृषि उपकरण खरीद पा रहे हैं। नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के कारण इस राशि से बच्चों की स्कूल फीस, किताबें, कॉपियां और यूनिफॉर्म (गणवेश) जैसी जरूरी आवश्यकताएं आसानी से पूरी हो रही हैं। करोड़ों रुपये की राशि सीधे ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचने से सुकमा के स्थानीय बाजारों और छोटे कारोबारियों के व्यापार को भी जबरदस्त बढ़ावा मिला है।वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बचे हुए हितग्राहियों के दस्तावेजों का सत्यापन कर भुगतान प्रक्रिया को तेजी से अंतिम रूप दिया जा रहा है। समयबद्ध और पारदर्शी व्यवस्था से शासन के प्रति वनांचल के ग्रामीणों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

10 वर्षीय त्रिशांत का हुआ सफल और पूर्णतः नि:शुल्क हृदय ऑपरेशन

रायपुर। कहते हैं कि अगर सही समय पर सही मदद मिल जाए, तो किसी के जीवन की डूबती कश्ती को भी किनारा मिल जाता है। छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशीलता और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित 'चिरायु योजना' धमतरी जिले के ग्राम सिंधौरीखुर्द निवासी 10 वर्षीय त्रिशांत यादव के लिए साक्षात वरदान साबित हुई है। चिरायु टीम की सतर्कता ने न सिर्फ एक मासूम को जन्मजात गंभीर बीमारी के चंगुल से छुड़ाया, बल्कि एक गरीब परिवार को जीवनभर का दर्द झेलने से भी बचा लिया।

स्कूल में जांच के दौरान खुली बीमारी की परत

धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड के सिंधौरीखुर्द का रहने वाला छात्र त्रिशांत रोज की तरह स्कूल जाता था। माता-पिता को अंदाजा भी नहीं था कि उनके लाडले के भीतर जन्मजात हृदय रोग पनप रहा है। तभी स्कूलों में चल रहे नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के तहत चिरायु टीम कुरूद त्रिशांत के स्कूल पहुंची। परीक्षण के दौरान डॉक्टरों ने त्रिशांत के दिल की धड़कनों में असमानता महसूस की। टीम ने मामले की गंभीरता को भांपते हुए बिना देर किए परिजनों से संपर्क किया और उन्हें उच्च स्तरीय जांच की सलाह दी।

जिला अस्पताल से रायपुर तक त्वरित एक्शन

चिरायु टीम की संवेदनशीलता यहीं खत्म नहीं हुई। परिजनों की सहमति लेकर बच्चे को जिला अस्पताल धमतरी भेजा गया, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पुष्टि की कि त्रिशांत के दिल में जन्मजात समस्या है और जल्द से जल्द ऑपरेशन जरूरी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में

चिरायु टीम ने कागजी प्रक्रियाओं और रेफरल को इतनी तेजी से पूरा किया कि बच्चे को बिना किसी रुकावट के रायपुर के प्रतिष्ठित एमएमआई गहॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। बीते 8 जुलाई 2026 को विशेषज्ञ सर्जन्स की टीम ने त्रिशांत के दिल का सफल ऑपरेशन किया। आज वह पूरी तरह स्वस्थ है और डॉक्टरों की निगरानी में तेजी से सामान्य जीवन की ओर लौट रहा है।

पहचान से लेकर घर वापसी तक

इस पूरी सफलता की कहानी को चिरायु टीम ने इन पांच चरणों में अमलीजामा पहनाया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 'चिरायु टीम' की कार्यप्रणाली केवल एक चिकित्सीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का एक जीवंत सफरनामा है। इसकी शुरुआत समय पर पहचान से होती है, जहाँ टीम के डॉक्टर स्कूलों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के दौरान बच्चों के भीतर छिपे शुरुआती लक्षणों को पूरी सतर्कता से पकड़ते हैं। बीमारी की आशंका होते ही टीम त्वरित परामर्श का मोर्चा संभालती है और परिजनों को बिना डराए, बेहद आत्मीयता के साथ बीमारी की गंभीरता समझाकर उन्हें आगे के इलाज के लिए मानसिक रूप से तैयार करती है।

परिजनों की सहमति मिलते ही शुरू होता है नि:शुल्क रैफरल का सिलसिला, जिसके तहत धमतरी से लेकर रायपुर तक के इलाज की पूरी रूपरेखा तैयार की जाती है और तमाम कागजी औपचारिकताओं का पूरा जिम्मा चिरायु टीम खुद उठाती है, ताकि गरीब परिवार पर कोई बोझ न पड़े। इसी तत्परता का सुखद परिणाम 8 जुलाई 2026 को सफल सर्जरी के रूप में सामने आया, जब रायपुर के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मासूम का पूर्णत: नि:शुल्क और कामयाब हार्ट ऑपरेशन किया गया। चिरायु का यह मिशन अस्पताल तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि ऑपरेशन के बाद सतत फॉलो-अप के जरिए डिस्चार्ज के बाद भी बच्चे की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित की जाती है और उसके पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक सेहत की लगातार मॉनिटरिंग की जाती है।'

लाखों का इलाज मुफ्त हुआ, सरकार ने बचा ली हमारे घर की खुशियां

त्रिशांत के माता-पिता भावुक होकर बताते हैं कि हार्ट की बीमारी का नाम सुनकर ही हमारे पैर तले जमीन खिसक गई थी। हम ठहरे गरीब लोग, इतना महंगा इलाज हमारे बूते से बाहर था। अगर चिरायु की टीम स्कूल न आती, तो हमें कभी पता ही नहीं चलता। हम मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य विभाग को कोटि-कोटि धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने हमारे बच्चे को नया जीवन दिया और हमारे घर की खुशियां लौटा दीं। धमतरी जिले में चिरायु टीम का यह समर्पित प्रयास इस बात का जीवंत उदाहरण है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाएं सिर्फ फाइलों या जांच तक सीमित नहीं हैं।

संतान से पहले आर्थिक सुरक्षा चाहती है आज की युवा पीढ़ी

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज का युवा परिवार निर्माण से पहले आर्थिक सुरक्षा, फिटनेस और बेहतर स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रहा है। वह परिवार चाहता है, लेकिन अनुकूल आर्थिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों में ही। इसी कारण प्रजनन दर में लगातार गिरावट भविष्य के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की दो-तिहाई से अधिक आबादी ऐसे देशों में रहती है, जहां प्रति महिला प्रजनन दर 2.1 से कम है। युवाओं में विवाह, मातृत्व-पितृत्व और पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता प्रजनन दर में गिरावट का प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह केवल जिम्मेदारियों से बचने का संकेत नहीं, बल्कि व्यक्तिगत और आर्थिक चुनौतियों का परिणाम भी है। इसी संदर्भ में इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस की थीम 'युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करना- आज और भविष्य के लिए' रखी गई है। हालांकि जन्म दर अभी भी कई क्षेत्रों में उच्च बनी हुई है। 73 देशों में हुए सर्वेक्षण में 18-39 वर्ष के लगभग 90 फीसदी युवाओं ने आर्थिक स्वतंत्रता, बेहतर स्वास्थ्य और फिटनेस को प्रमुख प्राथमिकता बताया। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित रोजगार, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और गंभीर बीमारियों ने आर्थिक व स्वास्थ्य सुरक्षा की चिंता बढ़ाई है। इसलिए युवा परिवार से पहले स्वयं को सुरक्षित और सक्षम बनाना चाहता है। सर्वेक्षण के अनुसार, 88 फीसदी युवा बच्चा पैदा करने से पहले वित्तीय सुरक्षा, 87 फीसदी स्थिर नौकरी और 85 फीसदी भावनात्मक मजबूती को आवश्यक मानते हैं। इन पहलुओं को महिलाएं अधिक महत्त्व देती हैं और कई देशों में सुरक्षा व निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी की चुनौतियों से जूझ रही हैं। पश्चिमी यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका और कनाडा में 35-39 वर्ष के लगभग आधे से कम युवाओं का नि:संतान होना चिंता का विषय है, जबकि अफ्रीकी देशों में यह प्रवृत्ति कम है।

भारत में पश्चिमी जीवनशैली का बढ़ता प्रभाव देखते हुए, बच्चों के प्रति इस बदलते रुझान का असर भारतीय युवाओं पर भी पडऩे की आशंका है। सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के कारण यह प्रवृत्ति केवल शहरों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि गांवों तक भी तेजी से पहुंच रही है। वहीं, बिना बच्चों वाले दो-तिहाई से अधिक युवा भविष्य में संतान चाहते हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि नि:संतानता के पीछे केवल इच्छा नहीं, बल्कि परिस्थितियां भी महत्त्वपूर्ण कारण हैं। वैश्विक स्तर पर बच्चों की संख्या को लेकर स्पष्ट भौगोलिक अंतर दिखाई देता है। अफ्रीकी देशों में प्रति महिला औसतन चार बच्चे हैं, जबकि संपन्न देशों के लगभग तीन-चौथाई युवा दो या उससे कम बच्चे चाहते हैं।

हर विषय अपना खुद का 'लिविंग म्यूजियम' बना सकता है

स्कूली बच्चों के लिए 12वीं कक्षा तक अधिकांश उच्च शिक्षण लगभग अनदेखे ही रहते हैं। आमतौर पर वे एडमिशन के समय ही वहां पहली बार जाते हैं। कल्पना कीजिए कि ये बच्चे 5वीं कक्षा से या उससे भी पहले कॉलेज कैंपस जाने लगें। आप पूछ सकते हैं कि उन्हें क्यों जाना चाहिए? मेरा जवाब होगा, म्यूजियम देखने के लिए। सोच रहे हैं कि कॉलेज या यूनिवर्सिटी का म्यूजियम से क्या लेना-देना? तो इसका जवाब यहां है।

अगर आप कुछ शहरी बच्चों से पूछें कि सब्जियां कहां से आती हैं? तो वे मासूमियत से रेफ्रिजरेटर की ओर इशारा कर सकते हैं, या कह सकते हैं कि सुपरमार्केट से अथवा विभिन्न एप्स के डिलीवरी बॉय के जरिए। लेकिन अगर आपने बेंगलुरु के गांधी कृषि विज्ञान केंद्र में कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर द्वारा बनाए गए क्रॉप म्यूजियम को देखा है तो जवाब कुछ और होगा।

यह विजिट ऐसा कुछ कर सकती है, जिसे हासिल करने के लिए पाठ्यपुस्तकें अब भी संघर्ष कर रही हैं। आप भी मानेंगे कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के चलते हमारे बच्चों में भोजन के उत्पादन और खपत को लेकर समझ कम होती जा रही है।

सब्जियों को सिर्फ डाइनिंग टेबल पर देखने के बजाय इस म्यूजियम में बच्चे उनके बीच चल सकते हैं। वे टमाटर का पौधा छू सकते हैं, पत्तेदार सब्जियां तोड़ सकते हैं और समझ सकते हैं कि भोजन वहां पैदा नहीं होता, जहां वो सोचते हैं। धीरे-धीरे उन्हें यह तथ्य पता चलता है कि इसकी शुरुआत मिट्टी, बीज, धूप, पानी और किसानों की अथक मेहनत से होती है।

बच्चे यहां पूरी भोजन यात्रा को समझ सकते हैं- बीज चयन और बुवाई से लेकर सिंचाई, परागण, कटाई, स्टोरेज, परिवहन और आखिर में रसोई तक। इस दौरान वे केंचुओं, मधुमक्खियों, कंपोस्ट पिट्स, औषधीय पौधों और देशी फसल किस्मों से भी परिचित होते हैं। ऐसा अनुभव बिना किसी परीक्षा के बायोलॉजी, इकोलॉजी, न्यूट्रिशन और इकनॉमिक्स सिखाता है। अब सवाल यह है कि यूनिवर्सिटी और कॉलेज सिर्फ क्रॉप म्यूजियम तक ही क्यों रुकें?

कोई इंजीनियरिंग कॉलेज इनोवेशन प्लेग्राउंड बना सकता है, जहां बच्चे साइकिल चलाकर बिजली पैदा करें, छोटे पुल बनाएं, वॉटर पंप चलाएं, उपकरणों के साथ प्रयोग करें और व्यवहारिक एक्जिबिट्स के जरिए रोबोटिक्स को समझें। तब फिजिक्स डरावना नहीं, बल्कि मजेदार विषय बन जाएगा।

कोई मेडिकल कॉलेज हार्ट, लंग्स और ब्रेन के विशाल वॉक-थ्रू मॉडलों वाला ह्यूमन बॉडी डिस्कवरी सेंटर बना सकता है। इंटरैक्टिव डिस्प्ले के जरिए हैंड हाइजीन, न्यूट्रिशन, वैक्सिनेशन, फर्स्ट-एड और ऑर्गन डोनेशन जैसी बातें सिखाई जा सकती हैं। तब बच्चे अस्पतालों से डरने के बजाय यह समझेंगे कि उनका शरीर कैसे काम करता है।

लॉ यूनिवर्सिटीज एक कॉन्स्टिट्यूशन म्यूजियम बना सकती हैं, जहां युवा मॉक कोर्ट, चिल्ड्रंस पार्लियामेंट और अधिकारों व दायित्वों की बहसों में हिस्सा लें। लोकतंत्र, अभ्यास के जरिए ही सबसे बेहतर समझ में आता है।

बिजनेस स्कूल एक आंत्रप्रेन्योरशिप म्यूजियम बना सकते हैं, जो असाधारण उद्यम खड़े करने वाले आम भारतीयों की कहानियां बताए। मसलन, कैसे एक सड़क किनारे का छोटा फूड स्टॉल बड़ी रेस्तरां चेन में बदल गया या ग्रामीण महिलाओं ने कैसे सफल सहकारी संस्थाएं बनाईं। यहां बच्चे मिनिएचर बिजनेस चलाना, बजटिंग करना और यह भी सीख सकते हैं कि आइडिया कैसे कंपनी में बदलते हैं।

यह आइडिया नया नहीं है। कई उदाहरण पहले से मौजूद हैं। मसलन, अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को के एक्सप्लोरेटोरियम में लाइट, साउंड, मोशन, ह्यूमन बिहेवियर और इंजीनियरिंग से जुड़े सैकड़ों इंटरैक्टिव एक्जिबिट्स के जरिए बच्चे रटने के बजाय सवाल पूछकर सीखते हैं।

यूके के हैलिफैक्स स्थित नेशनल चिल्ड्रन्स म्यूजियम में विजिटर्स चौकोर पहियों वाली साइकिल चलाते हैं, जियोमेट्रिक स्ट्रक्चर बनाते हैं, विशाल पजल्स सुलझाते हैं और प्रकृति व आर्किटेक्चर में छिपे पैटर्न खोजते हैं। गणित को महज फॉर्मूलों का संग्रह मानने के बजाय यह म्यूजियम बताता है कि संख्याएं कैसे खेल, संगीत, इंजीनियरिंग, फाइनेंस और रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती हैं।

एक और मजबूत उदाहरण टोक्यो स्थित पासोना ग्रुप है, जिसने दुनिया से सबसे अनोखे कार्यस्थलों में से एक बनाया है। उसकी ऑफिस बिल्डिंग में चावल के खेत, वेजिटेबल गार्डन, फलों वाले पेड़ और हाइड्रोपोनिक फार्म्स बनाए गए हैं।

फंडा यह है कि जब कॉलेज ऐसे अनुभव देने वाले म्यूजियम बनाएंगे, जहां स्कूली बच्चे एक दिन के लिए पेशेवरों की भूमिका का अनुभव खुद कर सकें तो यकीन मानिए स्कूली बच्चों के लिए कॉलेज सबसे पसंदीदा जगह बन जाएंगे।

जीनोमिक अनुसंधान से सटीक इलाज की ओर कदम

देश में स्वास्थ्य और विज्ञान को नया आकार देने वाले जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट के तहत लगभग 10 हजार लोगों के संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण का डेटाबेस तैयार कर लिया गया है। भारतीय विज्ञान संस्थान का मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (सीबीआर) इस परियोजना का समन्वयक केंद्र है। सीबीआर की प्रमुख महिला वैज्ञानिक प्रोफेसर ब्रतती काहाली संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण से संबंधित डेटा के निर्माण, प्रोसेसिंग और विश्लेषण में केंद्रीय भूमिका निभा रही है। डॉ. काहाली से राजस्थान पत्रिका के राजीव मिश्रा ने इस परियोजना की बारीकियों और लाभ के बारे में विस्तार से बातचीत कीं। पेश हैं संक्षिप्त अंश:

प्रश्न- जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट भारत के लिए क्यों जरूरी है? एक आम नागरिक के लिए इसकी क्या उपयोगिता है?

विविधताओं के लिहाज से भारतीय आबादी विश्व में सबसे बड़ी है। यह हजारों वर्षों के प्रवास, सांस्कृतिक भिन्नता और अंतर्विवाह की परंपरा से बनी है। इसकी आनुवंशिक संरचना भी विशिष्ट है। इसके बावजूद वैश्विक जीनोमिक डेटाबेस (आनुवंशिक आंकड़ों) में भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व नगण्य है। बीमारियों के मूल कारण को समझने, नई दवाओं की खोज और सटीक इलाज के लिए यह बेहद आवश्यक है, लेकिन अधिकांश आनुवंशिक जानकारियां यूरोपीय मूल के लोगों के अध्ययन पर आधारित है। चूंकि, एक आबादी से प्राप्त आनुवंशिक निष्कर्ष, दूसरी आबादी पर हमेशा प्रभावी नहीं होते इसलिए दक्षिण एशियाई, विशेषकर भारतीयों के स्वास्थ्य संबंधी खतरों की सटीक पहचान नहीं हो पाती। इस कमी को दूर करने के लिए जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट के तहत देश की विविध आबादी पर आधारित एक व्यापक जीनोमिक डेटाबेस तैयार किया गया है। इसमें देश की भाषाई, भौगोलिक, जनजातीय एवं गैर-जनजातीय समुदायों के 9,768 लोगों के संपूर्ण जीनोम का अध्ययन किया गया। इससे लगभग 13 करोड़ आनुवंशिक भिन्नताओं (जेनेटिक वैरिएंट्स) की पहचान की गई है, जिनमें से लगभग 4.4 करोड़ पहले वैश्विक डेटाबेस में दर्ज नहीं थे। इस तरह एक रेफरेंस जीनोमिक डेटाबेस तैयार हुआ है, जिससे यह समझने में मदद मिलेगी कि विभिन्न समुदायों में कौन-कौन से आनुवंशिक बदलाव चिकित्सकीय दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण है और अलग-अलग दवाओं पर उनकी प्रतिक्रिया क्या हो सकती है। बीमारियों का जल्दी पता लगाने, उनकी रोकथाम और भविष्य में बेहतर आरोग्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिहाज से यह एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

प्रश्न- यह भारत की जैव-प्रौद्योगिकी को कैसे प्रभावित कर सकता है?

यह जीनोमिक्स आधारित अनुसंधान एवं नवाचार के लिए आवश्यक बुनियादी संसाधन उपलब्ध कराएगा। बीमारियों के सटीक डायग्नोसिस, इलाज के तरीकों और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान में मदद मिलेगी। आनुवंशिक बदलावों (दुर्लभ अथवा सामान्य) के आधार पर रोगों की सही पहचान, दवाओं और उनके उचित डोज के चयन, दवाओं की प्रतिक्रिया का बेहतर अनुमान लगाया सकेगा। इस परियोजना की एक प्रमुख उपलब्धि भारतीय इम्प्यूटेशन रेफरेंस पैनल का तैयार होना है। सरल शब्दों में कहें, तो इससे एक सामान्य भारतीय आबादी के डीएनए का नक्शा तैयार करने और उनके स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का एक मॉडल तैयार करने में मदद मिलेगी। भारत केवल विदेशों में विकसित जीनोमिक तकनीकों का उपयोग करने वाला देश नहीं रहेगा, बल्कि जीनोमिक्स के क्षेत्र में नए ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार विकसित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण वैश्विक योगदानकर्ता भी बन सकेगा।

प्रश्न- जीनोम सीक्वेंसिंग से पर्सनलाइज्ड मेडिसिन तैयार किया जा सकेगा? भारत में यह कब तक संभव है? इस दिशा में अड़चनें क्या-क्या हैं?

बेशक, जीनोम सीक्वेसिंग पर्सनलाइज्ड मेडिसिन का एक अहम आधार है, लेकिन यह एकमात्र समाधान नहीं है, जो तुरंत हर बीमारी का पता लगा ले या उसका इलाज कर दे। पर्सनलाइज्ड मेडिसिन का अर्थ है, किसी व्यक्ति की आनुवंशिक जानकारी के साथ-साथ उसके चिकित्सकीय इतिहास (मेडिकल हिस्ट्री), जीवनशैली और अन्य कारकों को ध्यान में रखकर बीमारी की पहचान करना, उसकी रोकथाम के लिए सही दवा का चयन करना और दवा की उचित मात्रा के बारे में निर्णय करना। जीनोम इंडिया ने पहले ही भारतीय आबादी में जनसंख्या आधारित कुछ फार्माकोजीनोमिक अंतर की पहचान की है।

पानी को बह जाना है

"पानी को बह जाना है,
वक्त को हाथ न आना है!
हर पल तुम जी लो खुलकर,
जीवन का नहीं ठिकाना है!"
कविता"आत्मा"

– Kavita Sharma Kaushik

प्लास्टिक पर नियंत्रण पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा का दायित्व

प्लास्टिक प्रदूषण पृथ्वी, मानव स्वास्थ्य, जैव विविधता और जलवायु के लिए गंभीर संकट बन चुका है। प्लास्टिक ने जीवन आसान बनाया, लेकिन इसका अत्यधिक उपयोग अब पर्यावरणीय चुनौती बन गया है। आज विज्ञान और तकनीक के विकास के बावजूद पृथ्वी पर प्रतिवर्ष 40 करोड़ टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। इसका बड़ा हिस्सा कचरे में बदलकर नदियों, महासागरों, खेतों, भूजल और मानव शरीर तक माइक्रोप्लास्टिक के रूप में पहुंच रहा है।

वर्तमान वैश्विक व्यवस्था को 'वैश्विक प्लास्टिक खेल' कहना गलत नहीं होगा। यह ऐसा खेल है जिसमें विकसित देश उपभोग करते हैं, कचरा पैदा करते हैं, फिर उसे दूसरे देशों को निर्यात कर स्वयं को स्वच्छ घोषित कर देते हैं। प्रदूषण का वास्तविक बोझ उन देशों पर डाल दिया जाता है जिनकी पर्यावरणीय और प्रशासनिक क्षमता अपेक्षाकृत सीमित है। यह व्यवस्था न केवल पर्यावरणीय अन्याय है, बल्कि वैश्विक उत्तरदायित्व की अवधारणा के भी विपरीत है।

अमरीका प्रति व्यक्ति प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करने वाले देशों में अग्रणी है। यूनाइटेड किंगडम हर वर्ष लगभग 6.75 लाख टन प्लास्टिक कचरे का निर्यात करता है। तुर्किये और मलेशिया जैसे देश विदेशी प्लास्टिक कचरे के बड़े आयातक हैं, जहां सीमित पुनर्चक्रण क्षमता के कारण प्रदूषण बढ़ा है। वहीं स्वीडन ने कचरे से ऊर्जा उत्पादन की प्रभावी व्यवस्था विकसित की है। बांग्लादेश ने 1998 की बाढ़ के बाद प्लास्टिक थैलियों से जल निकासी प्रभावित होने पर वर्ष 2002 में पतली प्लास्टिक थैलियों पर प्रतिबंध लगाया। भारत का सिक्किम भी

1998 में प्लास्टिक प्रतिबंध लागू करने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल था। ये उदाहरण बताते हैं कि पर्यावरण संरक्षण के लिए दूरदर्शी नीतियां जरूरी हैं। प्लास्टिक प्रदूषण केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, जल सुरक्षा, कृषि, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन से भी जुड़ा है। इसके समाधान के लिए नई तकनीकें उम्मीद जगाती हैं। आयरलैंड ने चुंबकीय द्रव प्रणाली विकसित की है, जो पानी से लगभग 88 प्रतिशत तक माइक्रोप्लास्टिक हटाने में सक्षम है।

हमारी पीढ़ी ने कचरे की विरासत छोड़ी है, लेकिन नई पीढ़ी रचनात्मक सोच से समाधान खोज रही है। भारत के तीन किशोरों ने इमली के बीजों से तैयार प्राकृतिक पाउडर द्वारा माइक्रोप्लास्टिक हटाने की तकनीक विकसित कर वैश्विक अर्थ प्राइज प्राप्त किया। इन उपलब्धियों ने सिद्ध कर दिया कि समाधान केवल बड़ी प्रयोगशालाओं में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों और युवा मस्तिष्कों में भी जन्म लेते हैं। इस संकट के समाधान के लिए शुरुआत प्लास्टिक के उपयोग को कम करने से होगी। कपड़े के थैले, स्टील की बोतलें, पुन: भरने योग्य कंटेनर और जैव-अवक्रमणीय विकल्प अपनाने होंगे। घरों, कार्यालयों और संस्थानों में गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण आवश्यक है। साथ ही, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व व्यवस्था को प्रभावी बनाना जरूरी है, जिसमें कंपनियों को अपने पैकेजिंग कचरे की जिम्मेदारी उठानी होगी। इसके लिए डिजिटल निगरानी, स्वतंत्र ऑडिट और कठोर कार्रवाई आवश्यक है। अवैध प्लास्टिक उत्पादन और एकल-उपयोग प्लास्टिक पर सख्ती, उत्पादकों की जवाबदेही और स्थानीय निकायों को पर्याप्त संसाधन देना होगा। आवश्यकता यह है कि नीति, प्रौद्योगिकी, उद्योग और नागरिक सुविधाएं साझा राष्ट्रीय संकल्प के साथ आगे बढ़ें।

प्लास्टिक मुक्ति पर हमें केवल कपड़े का थैला लेकर घर से निकलने का संकल्प ही नहीं लेना है, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा बनाना है। भविष्य उन देशों का नहीं होगा जो अपना कचरा दूसरों के यहां भेज देंगे, बल्कि उन देशों का होगा जो न्यूनतम कचरा उत्पन्न करेंगे, अधिकतम पुन: उपयोग करेंगे और नवाचार को प्रदूषण पर विजय का माध्यम बनाएंगे। सरकार कठोर कानून लागू करे, उद्योग अपनी जवाबदेही स्वीकार करें, वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें, शैक्षणिक संस्थान नवाचार को बढ़ावा दें और नागरिक अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाएं।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

जब समय की कसौटी पर कसी गई कौशल्याजी, तो ज्ञान की परीक्षा हो गई कि उनका ज्ञान असली है कि नकली। श्रीराम के वन जाने के बाद आगे चलकर जब श्रीभरत लौटकर आते हैं और कौशल्याजी श्रीभरत को देखती हैं, वहां पर गोस्वामीजी ने उनके ज्ञान एवं समत्व के भाव का उल्लेख किया। यद्यपि उनको तो महान दुख होना चाहिए कि जिसको राज्य दिलाने के लिए मेरे बेटे को वन दे दिया गया, आज वही भरत मेरे सामने खड़ा है। लेकिन कौशल्याजी की दृष्टि पूरी तरह से ज्ञानमयी है।

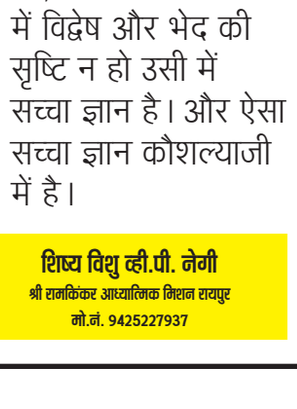

गोस्वामीजी ने कहा कि कौशल्या अंबा को तो ऐसा लगता है कि बस-बस, भरत के रूप में राम ही मेरे समक्ष खड़े हैं। राम और भरत में रंचमात्र कोई भेद नहीं है - राम भरत दोउ सुत सम जानी - इस प्रकार प्रतिकूलता में भी जिसका समत्व स्थिर रहे, जिसके अंत:करण में विद्वेष और भेद की सृष्टि न हो उसी में सच्चा ज्ञान है। और ऐसा सच्चा ज्ञान कौशल्याजी में है।

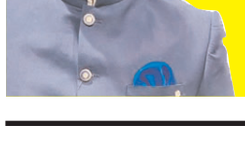

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

बच्चों को विज्ञान की मदद से हमारा परम्परागत ज्ञान समझा सकते हैं

'बाल तेजी से कैसे बढ़ाएं?' और 'मेरे बाल क्यों झड़ रहे हैं?' ये गूगल पर खोजे जाने वाले हेयर-केयर से जुड़े शीर्ष दस प्रश्नों में शामिल हैं। दुनिया भर में लाखों लोग 'हेयर ग्रोथ' शब्द का इस्तेमाल करके सर्च करते हैं, भले ही उनके प्रश्न अलग-अलग हों। पिछले मंगलवार को कपिवा के संस्थापक और सीईओ अमीव शर्मा के साथ बातचीत के दौरान जब मैंने उनके साथ यह सर्च-संबंधी जानकारी साझा की, तो उन्होंने ऐसी बात कही जिसने मुझे चौंका दिया।

उन्होंने कहा, उपभोक्ताओं की इस वैश्विक आवश्यकता ने न्यूट्राफोल को यूनिलीवर के वेलबीइंग बिजनेस का दूसरा सबसे बड़ा ब्रांड बना दिया है। और वे आयुर्वेद के ज्ञान से भरपूर कमाई कर रहे हैं, क्योंकि इस उत्पाद का मूल घटक शतावरी है। हमारी बातचीत 45 मिनट से अधिक समय तक चली। अंत में हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि केवल जीवन की गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि बैंक-बैलेंस को भी बढ़ाने के लिए न केवल आयुर्वेद, बल्कि हमारे उस प्राचीन ज्ञान को भी समझना आवश्यक है, जिसका आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वय होना चाहिए।

इस बातचीत की याद मुझे इस शनिवार को आई, जब ऑस्ट्रेलिया से आए मेरे एक मित्र के परिवार के दो बच्चों ने रविवार को बाहर जाकर भोजन करने की योजना बनाई और मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे मुझे इसमें शामिल न करें। मुझे उनकी यह बात अच्छी लगी कि उन्होंने यह पूछने के बजाय कि आप उपवास क्यों रखते हैं या इसके पीछे कौन-सा विज्ञान है, यह पूछा कि कई पीढ़ियां सैकड़ों वर्षों तक इस परंपरा का पालन क्यों करती रही हैं? कई बार ऐसा प्रश्न किसी नई वैज्ञानिक चर्चा की शुरुआत बन जाता है।

अपने विश्वास और आचरण के समर्थन में मैंने जापानी सेल-बायोलॉजिस्ट योशिनोरी ओसुमी के शोध का उल्लेख किया। उन्हें ऑटोफैजी के मैकेनिज्म की खोज के लिए वर्ष 2016 में फिजियोलॉजी या मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। ऑटोफैजी वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कोशिकाएं क्षतिग्रस्त या अनावश्यक घटकों को तोड़कर उनको रीसाइकिल करती हैं। उन्होंने अपने शोध के लिए एकादशी का अध्ययन नहीं किया था और न ही उन्होंने यह सिद्ध किया था कि उपवास बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है।

हालांकि उन्होंने एक उल्लेखनीय तथ्य सामने रखा कि जब शरीर को कुछ समय के लिए पोषक तत्वों की कमी का सामना करना पड़ता है, तो कोशिकाएं अपनी आंतरिक रीसाइकलिंग प्रणाली को सक्रिय कर देती हैं, जो सेलुलर हेल्थ को बनाए रखने में मदद करती है।

हमारे पूर्वजों के पास न माइक्रोस्कोप थे, न जेनेटिक सीक्वेंसिंग की तकनीक। लेकिन उनके पास सदियों के अनुभव और अवलोकन की विरासत थी।

उन्होंने देखा कि अल्प मात्रा में संयमपूर्वक भोजन हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, मन को अधिक एकाग्र करता है और आत्म-अनुशासन को प्रोत्साहित करता है। आयुर्वेद के अनेक ग्रंथ लंबे समय से 'लंघन'- अर्थात पाचन तंत्र पर भार कम करने की प्रक्रिया को शरीर में संतुलन बहाल करने का एक उपाय बताते आए हैं।

आधुनिक जीवनशैली अकसर इसके विपरीत दिशा में आगे बढ़ती है। हम लगातार कुछ न कुछ खाते रहते हैं, देर रात को भोजन करते हैं और शायद ही कभी अपने पाचन-तंत्र को जरूरी आराम देते हैं। परिणामस्वरूप शरीर अपने रखरखाव संबंधी अनेक कार्यों को पूरा करने के बजाय लगातार भोजन को पचाने में लगा रहता है।

यही कारण है कि इंटरमिटेंट फास्टिंग आज पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गई है। लेकिन करोड़ों भारतीयों के लिए आस्था के आधार पर एकादशी या अन्य निर्धारित दिनों में समय-समय पर उपवास रखने की सुव्यवस्थित परंपरा सदियों से मौजूद रही है। जब भी शोधकर्ता नियंत्रित-उपवास का कोई नया लाभ हमारे सामने रखते हैं, हमें याद हो आता है कि भारत की प्राचीन परम्पराएं अकसर प्रकृति और मानव-शरीर के सूक्ष्म अवलोकन पर आधारित थीं। जीवविज्ञान की पुस्तकों में सेलुलर-रीसाइकिलिंग की व्याख्या आने से बहुत पहले ही हमारे पूर्वजों ने समय-समय पर उपवास को दैनिक जीवन का हिस्सा बना लिया था- चिकित्सीय उपचार के रूप में नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण जीवन-पद्धति के रूप में।

यूरिन-लीक की समस्या छिपाती हैं महिलाएंःहर 5 में 1 को प्रॉब्लम; एक्सपर्ट बोले- शर्म छोड़ें, अब बिना चीरा लगाए भी सर्जरी संभव

रायपुर। यूरिन लीक (मूत्र असंयम) और गर्भाशय के बाहर निकलने (यूटेराइन प्रोलैप्स) जैसी समस्याओं से कई महिलाएं सालों तक परेशान रहती हैं, लेकिन शर्म और जागरूकता की कमी के कारण डॉक्टर के पास नहीं पहुंचतीं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अब इन बीमारियों का आधुनिक दवाओं और सर्जरी से सफल इलाज संभव है। वहीं, कई मामलों में बिना पेट पर चीरा लगाए प्राकृतिक वैजाइनल मार्ग से बच्चेदानी निकालने की सर्जरी भी की जा रही है।

अंबेडकर अस्पताल में आयोजित दो दिवसीय यूरोगायनेकोलॉजी और वैजाइनल सर्जरी कार्यशाला में प्रदेश की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. आभा सिंह ने बताया कि प्राकृतिक वैजाइनल मार्ग से बच्चेदानी निकालने की सर्जरी सुरक्षित और प्रभावी है।

इसमें पेट पर कोई चीरा नहीं लगता, इसलिए मरीज को कम दर्द होता है, बाहर कोई निशान नहीं रहता और वह जल्दी स्वस्थ होकर घर जा सकती है।

प्रसूति और स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति जायसवाल ने बताया कि कई महिलाएं यूरिन लीक और गर्भाशय के बाहर आने जैसी समस्याओं को छिपाती रहती हैं। शर्म और संकोच के कारण

समय पर इलाज नहीं करातीं, जबकि आधुनिक चिकित्सा में दवाओं और सर्जरी से इनका प्रभावी उपचार उपलब्ध है।

महिलाओं में यूरिन लीक (यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस) एक आम लेकिन अक्सर छिपाई जाने वाली स्वास्थ्य समस्या है। इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी में प्रकाशित एक शोध के अनुसार हर पांच में से एक महिला को यह समस्या है। अस्पताल-आधारित अध्ययन में 3,000 महिलाओं को शामिल किया गया। इनमें 656 महिलाओं (21.8%) में यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस की समस्या पाई गई।शोध में पाया गया कि प्रभावित महिलाओं में 73.8% स्ट्रेस यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस से पीड़ित थीं। यानी खांसने, छींकने, हंसने या वजन उठाने जैसी स्थिति में अनजाने में पेशाब का रिसाव होता था। इसके अलावा 16.8% महिलाओं में मिक्स्ड और 9.5% में अर्ज इनकॉन्टिनेंस की समस्या मिली। शोधकर्ताओं ने बताया कि 40 वर्ष से अधिक आयु, एक से अधिक प्रसव, रजोनिवृत्ति, योनि प्रसव, हिस्टरेक्टॉमी, अधिक वजन, मधुमेह, अस्थमा तथा तंबाकू सेवन जैसे कारक यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस का खतरा बढ़ा सकते हैं। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय और डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के प्रसूति और स्त्री रोग विभाग की ओर से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला में प्रदेश और देश के विशेषज्ञों ने 100 से अधिक डॉक्टरों और पीजी विद्यार्थियों को आधुनिक उपचार और शल्य तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

रायपुर के PNB बैंक में आग, दमकल और पुलिस टीम आग बुझाने में जुटी

रायपुर। राजधानी रायपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बुढ़ापारा में रविवार को पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में अचानक आग लग गई। आग लगते ही बैंक परिसर से काले धुएं का गुबार उठने लगा, जिसे देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने तुरंत आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

आग बुझाने के साथ ही बैंक के महत्वपूर्ण दस्तावेज, रिकॉर्ड और अन्य जरूरी सामान को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया गया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर बैंक परिसर के आसपास लोगों की आवाजाही भी रोक दी, ताकि राहत और बचाव कार्य में किसी तरह की बाधा न आए।

सरोना रेलवे स्टेशन का 13.57 करोड़ से पुनर्विकास

2 लिफ्ट, सुरक्षा के लिए 14 सीसीटीवी कैमरे; नया कॉन्कोर्स और 550 वर्गमीटर पार्किंग भी

रायपुर के सरोना रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 13.57 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकास किया गया है। स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का विस्तार करते हुए आधुनिक और सुरक्षित रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है। ।

सरोना स्टेशन पर 95 वर्गमीटर का नया कॉन्कोर्स (यात्री भवन) बनाया गया है। स्टेशन के बाहर 1,912 वर्गमीटर का नया सर्कुलेटिंग एरिया विकसित किया गया है, जिससे वाहनों और यात्रियों की आवाजाही आसान होगी।

प्लेटफॉर्म बदलने के लिए नया फुटओवर ब्रिज बनाया गया है। बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों की सुविधा के लिए दो लिफ्ट लगाई गई हैं। प्लेटफॉर्म पर पहले जहां तीन शेल्टर थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़ाकर सात कर दी गई है। साथ ही 2,800 वर्गमीटर प्लेटफॉर्म की नई सरफेसिंग की

गई है। स्टेशन पर 189 नई बेंच और अन्य फर्नीचर लगाए गए हैं। 30 वर्गमीटर के प्रतीक्षालय का नवीनीकरण किया गया है। स्थानीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 50 वर्गमीटर क्षेत्र में आकर्षक चित्रकारी की गई है। स्टेशन पर 550 वर्गमीटर का दोपहिया और चारपहिया पार्किंग क्षेत्र विकसित किया गया है। बिजली बचत के लिए 10 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाया गया है। यात्रियों को ट्रेनों की जानकारी देने के लिए चार इंटीग्रेटेड पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम लगाए गए हैं। जबकि रात में बेहतर रोशनी के लिए दो सोलर लाइट मास्ट भी स्थापित किए गए हैं।

दिव्यांग यात्रियों का भी रखा गया ध्यान

स्टेशन पर रैंप, व्हीलचेयर, दिव्यांग अनुकूल शौचालय, कम ऊंचाई वाले टिकट काउंटर और पेयजल सुविधा जैसी व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। इसके साथ ही आधुनिक साइनेज, कोच गाइडेंस सिस्टम, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, चौड़ी सड़कें और व्यवस्थित पार्किंग जैसी सुविधाएं भी यात्रियों को मिलेंगी।

रेलवे का कहना है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किए गए इन कार्यों से सरोना रेलवे स्टेशन की पहचान पूरी तरह बदल जाएगी और यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक सुविधाएं मिलेंगी।

'सुरक्षा की बात अपनों के साथ' में पुलिस-कमिश्नर संजीव शुक्ला

बालिगों को वाहन न दें, स्कूल में भी अनिवार्य होगी चेकिंग हादसों में जान गंवाने वाले 60% लोगों के पास नहीं था हेलमेट

रायपुर। वे रविवार को सोशल मीडिया पर 'सुरक्षा की बात अपनों के साथ' स्ट्रीमिंग से लोगों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सड़क हादसों के विश्लेषण में सामने आया है कि कई हादसों में नाबालिग या तो वाहन चलाते हुए घायल हुए या उनकी वजह से दूसरे शिकार हुए।

नाबालिगों को वाहन देना कानूनन अपराध है। परिजन 18 साल से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने न दें। बगैर लाइसेंस वाहन लेकर आए छात्रों को स्कूल में एंट्री न मिले। पिछले कुछ वर्षों के सड़क हादसों में 60% से अधिक दोपहिया वाहन चालकों की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई है। यदि वे हेलमेट पहनते तो उनकी जान बच सकती थी।

कम उम्र में ही बच्चों के हाथ में दोपहिया या चार पहिया वाहनों की चाबी थमा देना कितना आत्मघाती साबित हो रहा है, इसका खुलासा ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों से हुआ है। आंकड़ों के अनुसार पिछले डेढ़ साल में 28 नाबालिगों की सड़क हादसों में मौत हुई है, जबकि 85 नाबालिग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

पिछले डेढ़ साल में हादसों में जान गंवाने वाले 28 नाबालिगों में 19 लड़के और 9 लड़कियां हैं। वहीं 85 गंभीर घायलों में 56 लड़के और 29 लड़कियां हैं। ये वे आंकड़े हैं, जिनकी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज हुई है। जबकि इससे तीन गुना ज्यादा ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें मामूली चोट आई या सिर्फ वाहन का नुकसान हुआ। इनमें रिपोर्ट तक दर्ज नहीं हुई है।

बिना पेरेंट्स के बच्चों को फीस में मिलेगी 50% छूटःमहंत कॉलेज की एलुमिनाई एसोसिएशन का फैसला

रायपुर। रायपुर के महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय में रविवार को एलुमिनाई एसोसिएशन की बैठक हुई। इसमें कॉलेज के विकास, छात्र हित और आने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य पूर्व छात्रों को कॉलेज की गतिविधियों से जोड़ना और उनकी भागीदारी बढ़ाना रहा।

बैठक में फैसला लिया गया कि कॉलेज में प्रवेश लेने वाले ऐसे विद्यार्थियों, जिनके अभिभावक नहीं हैं, उन्हें एलुमिनाई एसोसिएशन की ओर से फीस में 50% की छूट दी जाएगी। साथ ही नए प्रवेशित विद्यार्थियों की मदद के लिए हेल्प डेस्क भी लगाया जाएगा, ताकि उन्हें प्रवेश और पढ़ाई से जुड़ी हर जरूरी जानकारी और सहायता मिल सके।

कॉलेज के प्राचार्य देवाशीष मुखर्जी ने कहा कि एलुमिनाई एसोसिएशन कॉलेज और पूर्व छात्रों के बीच मजबूत कड़ी का काम कर रही है। पूर्व छात्रों का सहयोग विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य और कॉलेज के विकास में अहम भूमिका निभाता है।

परीक्षा आयोजित करेगा शिक्षा विभागः आत्मानंद स्कूलों में शिक्षक भर्ती डीपीआई ने रद्द कर दी, रायपुर के 33 स्कूलों में 152 पद खाली

रायपुर। राजधानी के 33 आत्मानंद स्कूलों में संविदा के 152 पद अब भी खाली हैं। कुछ महीने पहले इन पदों पर भर्ती निकाली गई थी। इसके लिए 26 मई को पात्र-अपात्र सूची भी जारी कर दी गई थी।

अभ्यर्थी मेरिट सूची का इंतजार कर ही रहे थे कि 30 मई को डीपीआई ने पत्र जारी कर प्रदेश के सभी जिलों में आत्मानंद स्कूलों की चल रही संविदा भर्ती प्रक्रिया निरस्त कर दी।

पत्र में कहा गया कि अब भर्ती प्रक्रिया डीपीआई स्तर से कराई जाएगी। हालांकि भर्ती प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी, जबकि 16 जून से प्रदेश के सभी स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो चुकी है। स्कूल खुलने के लगभग एक माह होने वाला है, लेकिन डीपीआई की ओर से भर्ती को लेकर कोई नई जानकारी नहीं दी गई है।

ऐसे में आत्मानंद स्कूलों का संचालन आधे-अधूरे स्टाफ के भरोसे हो रहा है। कई स्कूलों में आधे से ज्यादा शिक्षकों के पद खाली हैं। इसका असर पढ़ाई पर पड़ रहा है और कुछ अभिभावक बच्चों का दूसरे स्कूलों में प्रवेश कराने की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में भास्कर की पड़ताल में कई अहम तथ्य सामने आए।

इधर... भनपुरी और गुढ़ियारी स्कूल में 11-11 पद भी खाली शहर में 33 आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित हैं। वर्ष 2023 से शशिबाला स्कूल गुढ़ियारी, सप्रे स्कूल बूढ़ापारा, काशीराम स्कूल भनपुरी, गवर्नमेंट स्कूल रायपुरा और गवर्नमेंट स्कूल त्रिमूर्ति नगर को आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल के रूप में संचालित किया जा रहा है।

इनमें भनपुरी और शशिबाला स्कूल सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। दोनों स्कूलों में 11-11 पद खाली हैं। इनमें हिंदी, संस्कृत, कॉमर्स, बायोलॉजी, आर्ट्स और फिजिक्स के व्याख्याता, हिंदी और अंग्रेजी शिक्षक, सहायक शिक्षक, लैब अटेंडेंट तथा पीटीआई के पद शामिल हैं।

सप्रे स्कूल में हुआ था विवाद...छात्र-पैरेंट्स नाराज पिछले महीने बूढ़ापारा स्थित आत्मानंद (सप्रे) स्कूल में 12वीं कॉमर्स और आर्ट्स के छात्रों को शिक्षक नहीं होने के कारण दूसरे स्कूल में प्रवेश लेने की सलाह दी गई थी। इससे छात्र और अभिभावक नाराज हो गए थे। पहले यहां डीएमएफ फंड से शिक्षकों की भर्ती की गई थी।

कार्यकाल समाप्त होने पर वे चले गए। पद खाली होने के बाद स्कूल प्रबंधन ने छात्रों को दूसरे स्कूल में प्रवेश लेने की सलाह दी थी।

एक ब्लैकबोर्ड पर 6 कक्षाओं की पढ़ाईः 7 साल से एक ही कमरे में बैठ रहे पहली से 5वीं तक के छात्र

रायपुर/बिलासपुर। बिलासपुर से 13 किमी दूर तखतपुर ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक?शाला सरसेनी में एक ही कमरे में छह कक्षाएं चल रही हैं। पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं वहां पहले से लग?रही थीं, अब वहीं बालवाड़ी के बच्चों को भी बैठाया जा रहा है।?

तस्वीर में दिख रही हर कतार एक अलग कक्षा है- पहली कतार में?बालवाड़ी, फिर पहली, दूसरी, तीसरी, चौथी और सबसे आखिर में?पांचवीं के विद्यार्थी। पिछले सात साल से यही स्थिति है। यहां 41 बच्चे?हैं। स्कूल में केवल प्रधानपाठक निर्मल?कौशिक और शिक्षिका पूनम पोर्ते पदस्थ हैं। जर्जर भवन के कारण?2019 से एक ही कमरे में कक्षाएं संचालित हो रही हैं, जबकि 2025?से बालवाड़ी को भी उसी कमरे में शिफ्ट करना पड़ा।

अगस्त 2024 में एक कमरे में पांच कक्षाएं चलने की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। इसके बाद शिक्षा विभाग के अधिकारी निरीक्षण करने पहुंचे, लेकिन क्लासरूम नहीं बने। उल्टा पिछले सत्र और इस सत्र में दो टॉयलेट बना दिए गए, जबकि एक और टॉयलेट बनने की तैयारी चल रही है।

प्रधानपाठक निर्मल कौशिक ने बताया कि नए कमरों के लिए सरपंच सहोरी राम खैरवार, बीईओ, डीईओ, जनपद पंचायत, कलेक्टर कार्यालय और क्षेत्रीय विधायक तक कई बार आवेदन दिए गए। सरपंच सहोरी राम खैरवार ने सुशासन शिविर में स्कूल में अतिरिक्त कमरों की मांग रखी थी। लेकिन आवेदन की जांच के दौरान अधिकारियों में भ्रम हो गया। अधिकारियों ने यह मान लिया कि संबंधित स्थान पर स्कूल नहीं है।

पूर्व बीईओ बोले- याद नहीं, वर्तमान बीईओ बोले- मंजूरी बाकी: पूर्व बीईओ के. बैरागी ने कहा कि वे निरीक्षण पर गए होंगे, लेकिन याद नहीं है। वहीं वर्तमान बीईओ दीपक गुप्ता ने बताया कि स्वीकृति मिलते ही निर्माण प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

एक कक्षा पढ़ाते हैं तो दूसरी कक्षा के बच्चे डिस्टर्ब हो जाते हैं। एक ही कमरे में छह कक्षाएं चलाना बच्चों और शिक्षकों, दोनों के लिए मुश्किल है। - **निर्मल कौशिक, प्रधानपाठक, शासकीय प्राथमिक शाला सरसेनी**

रायपुर में 100 महिलाओं का सम्मानःविधायक कविता प्राण लहरे बोलीं- महिलाएं ठान लें तो प्रदेश को नशामुक्त बना सकती हैं

रायपुर। रायपुर में रविवार को हुए अग्रगामी महिला सम्मान समारोह में समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में अच्छा काम करने वाली 100 महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कविता प्राण लहरे ने कहा कि प्रदेश में बढ़ रहे नशे, अपराध और मृत्यु भोज जैसी बुराइयों को रोकने में महिलाओं की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि महिलाएं जागरूक होकर समाज में अच्छा बदलाव ला सकती हैं।

विधायक कविता प्राण लहरे ने कहा कि अगर महिलाएं ठान लें, तो पूरे प्रदेश को नशामुक्त बनाया जा सकता है। एक महिला पूरे परिवार को बेहतर बना सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि बेटियों को पढ़ाई के साथ आत्मरक्षा की ट्रेनिंग भी मिलनी चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर वे अपनी सुरक्षा खुद कर सकें।

इस कार्यक्रम का आयोजन वक्ता मंच और जन एकता फाउंडेशन ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी गुरुशरण पाल गरचा ने की। समारोह में मनीषा बी. सिन्हा, नलिनी मढ़रिया, करुणा कुर्रे,

प्राची भट्टर, रत्ना अग्रवाल, पी.के. तिवारी, राजकुमार धर द्विवेदी और अजीत कुकरेजा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया कि समारोह की शुरुआत बाल प्रतिभाओं के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। इस वर्ष सांप्रदायिक सौहार्द्र, थिएटर, फिल्म, जनजागरूकता, खेल, शिक्षा, चिकित्सा, विधिक सहायता, पत्रकारिता, व्यवसाय, साहित्य, कला, संस्कृति, लोककला, पुलिसिंग और प्रशासन समेत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 100 महिलाओं का चयन सम्मान के लिए किया गया।

अतिथियों ने कहा कि सम्मानित महिलाओं के कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव और नई प्रेरणा का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने वक्ता मंच की तीन दशक की सामाजिक यात्रा की भी सराहना की। समारोह में मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर डॉक्टर, शिक्षिका, पत्रकार, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न पेशों से जुड़ी महिलाओं को अग्रगामी महिला अवॉर्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में लकी ड्रॉ के माध्यम से सारंगढ़ की हीरादेवी निराला को वर्ष 2026 की 'भाग्यशाली महिला' सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर वक्ता मंच के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम का समापन संयोजक शुभम साहू के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपको अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करने की सीख देगा। दूसरों की समस्याओं को सुलझाने में स्वयं को इतना व्यस्त न करें कि अपने महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित होने लगें। कार्यक्षेत्र में व्यावहारिक सोच और संतुलित निर्णय आपको सफलता दिलाएंगे। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपकी कार्यशैली की सराहना होगी।

वृषभ। आज पुराने अनुभवों और संबंधों से मिली सीख भविष्य के लिए लाभदायक साबित होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने का यह उपयुक्त समय है। व्यापार से जुड़े लोगों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने में सफलता मिलेगी।

मिथुन। आज चंद्रमा का आपकी राशि में गोचर आपको नई ऊर्जा, रचनात्मकता और सकारात्मक विचारों से भर देगा। कार्यक्षेत्र में आपकी नई योजनाएं सराही जाएंगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। परिवार में किसी पुराने मतभेद को दूर कर नई शुरुआत करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए स्रोत बनने की संभावना है।

कर्क। आज दूसरों को खुश करने की कोशिश में अपनी जरूरतों को नजरअंदाज न करें। यह समय आत्मचिंतन, आध्यात्मिक विकास और मानसिक संतुलन बनाए रखने का है। कार्यक्षेत्र में धैर्य और समझदारी से काम लेने पर सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें और बिना सोचे-समझे निवेश न करें। परिवार का वातावरण सामान्य रहेगा तथा जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और पर्याप्त आराम करें।

सिंह। आज शुक्र का प्रभाव आपके रिश्तों में मधुरता और अपनापन बढ़ाएगा। परिवार और जीवनसाथी के साथ समय बिताने से संबंध और मजबूत होंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा और कौशल का उचित मूल्य समझें तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय में वृद्धि के योग बनेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखें।

कन्या। आज दूसरों की मदद करना अच्छी बात है, लेकिन अपनी सीमाओं का भी ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी स्पष्ट सोच और दृढ़ निर्णय क्षमता भविष्य की चुनौतियों से निपटने में मदद करेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी और निवेश से पहले सोच-विचार करना लाभदायक होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा घरेलू वातावरण शांत रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला। आज प्रेम और रिश्तों से जुड़ी कई उलझनों का समाधान मिल सकता है। आप अपने संबंधों को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे और मन की शंकाएं दूर होंगी। लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य इस सप्ताहांत पूरा होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित सम्मान मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन लाभ के योग बनेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक। आज उन लोगों और सामाजिक समूहों से दूरी बनाने का समय है जो आपकी प्रगति में बाधा बन रहे हैं। नए और सकारात्मक लोगों के साथ जुड़ना आपके लिए लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की सराहना होगी और नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा पुराने निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु। आज आपका आत्मविश्वास पहले से अधिक मजबूत रहेगा और यही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। अपने स्वास्थ्य, व्यक्तित्व और कौशल विकास पर निवेश करने के लिए यह समय अनुकूल है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित सम्मान मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी तथा भविष्य की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय शुभ रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर। आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव पहले की तुलना में कम रहेगा, जिससे आप राहत महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और करियर से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिलने की संभावना है। व्यापारियों के लिए नए अवसर सामने आ सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। धैर्य, अनुशासन और मेहनत के बल पर आप अपने सभी महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूरे कर पाएंगे।

कुंभ। आज आपकी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति चरम पर रहेगी। नए विचार कार्यक्षेत्र में सफलता दिला सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है, जबकि व्यापारियों को नए प्रोजेक्ट्स में लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

परिवार का वातावरण सुखद रहेगा और मित्रों का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीन। आज आपकी भावनात्मक समझ और परिपक्वता आपको सही निर्णय लेने में मदद करेगी। लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रतिभा की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय में वृद्धि के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा घरेलू वातावरण सुखद रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने से नई सफलताएं आपका इंतजार कर रही हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखना लाभदायक होगा।

ग्रामीणों ने जर्जर सड़क के ग ों में रोपे धान

तीन माह में एक ही जगह पर 2 नक्शा पास, एक को वार्ड-25 में बताया, दूसरे को 26 में

रांची। रांची नगर निगम के टाउन प्लानिंग सेक्शन में भवन का नक्शा पास कराने वाला सिंडिकेट हावी है। छोटे से लेकर बहुमंजिली भवनों का नक्शा पास कराने का काम सिंडिकेट से जुड़े लोग ही कराते हैं। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह है कि सिंडिकेट के लोग अपने तौर-तरीके से नियम को बदल सकें। ताजा मामला कडरू स्थित न्यू एजी कॉलोनी का है,जहां एक ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट का नक्शा पास करने के लिए वार्ड को ही बदल दिया गया।

दरअसल, वार्ड नंबर 25 स्थित न्यू एजी कॉलोनी में ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट के नक्शा संख्या 215 की स्वीकृति इसी साल मार्च में दी गई। इसके ठीक 3 माह बाद जून में उसी क्षेत्र में उक्त बिल्डर के दूसरे ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट का नक्शा पास किया गया, लेकिन इसमें वार्ड बदलकर 26 कर दिया गया। बड़े प्रोजेक्ट में वार्ड बदलने का खेल मनचाहा इंजीनियरों-अफसरों से नक्शा पास कराने के लिए किया जाता है,ताकि नक्शा पास कराने में कोई दिक्कत न हो।

इतना ही नहीं, बड़े प्रोजेक्ट में मनमुताबिक लैंड यूज बदलने का भी खेल चल रहा है। आवासीय लैंड यूज में कॉमर्शियल बिल्डिंग का नक्शा भी पास किया जा रहा है। आरटीआई एक्टिविस्ट रौनक राज ने नगर विकास विभाग को पत्र लिखकर नक्शा पास कराने में हो रही गड़बड़ी की सूचना दी है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि सभी बड़े नक्शा की जांच कराने पर कई गड़बड़ियों का खुलासा हो सकता है।होल्डिंग नंबर में दोनों नक्शा का एक ही वार्ड न्यू एजी को-ऑपरेटिव कॉलोनी कडरू में प्लॉट नंबर 65, जिसका होल्डिंग नंबर 02900055380002 है। निगम से जारी होल्डिंग के पेमेंट रसीद में वार्ड संख्या 25 दिखाया गया है। मार्च में इस पर ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट का नक्शा पास किया गया। यह प्लॉट कुम्हारटोली कडरू में स्थित है। कुम्हारटोली कडरू में ही प्लॉट नंबर 81 और 82 जिसका होल्डिंग नंबर - 02900055370002 है, यह होल्डिंग भी वार्ड 25 में ही स्थित है। लेकिन जब जून में इस प्लॉट और होल्डिंग पर ग्रुप हाउसिंग का नक्शा पास कराया गया तो वार्ड बदलकर 26 कर दिया गया। इससे नक्शा पास करने की प्रक्रिया पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।नक्शा पास कराने में आपत्ति न हो, इसलिए बदलता है वार्ड बड़े प्रोजेक्ट का नक्शा पास कराने वाले बिल्डर उसी अफसर से काम कराना चाहते हैं जिनसे तालमेल अच्छा होता है, ताकि नक्शा पर कोई आपत्ति न हो। एक ही जूनियर इंजीनियर का वार्ड होने से सड़क की चौड़ाई से लेकर प्लॉट की मापी कराने में सुविधा होती है। नया वार्ड दिखाने पर नए इंजीनियर के हाथ में काम चला जाता। ऐसे में इंजीनियर अपने तरीके से मापी करेगा। इससे बचने के लिए वार्ड बदलने से लेकर लैंड यूज बदलने का खेल चलता है।

नगर निगम में छोटे और बड़े भवनों का नक्शा पास कराने के लिए जमीन के कागजातों की जांच पर भी सवाल उठ रहे हैं। आर्किटेक्ट सुजीत भगत ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि जमीन की रजिस्ट्री, म्यूटेशन होने के बाद नगर निगम होल्डिंग नंबर जारी करता है। जिस जमीन के सभी कागजात हैं। लीगल सेक्शन में उक्त जमीन को सीएनटी प्लॉट से जनरल कैसे बना, इसका प्रमाण मांगा जा रहा है। देश की आजादी के पहले के दस्तावेज की मांग की जा रही है।

रेलवे टिकट बुकिंग होगी तेज:दोबारा नहीं भरना होगा डिटेल, पॉप-अप की झंझट खत्म होगी, कैप्चा आसान और छोटा होगा

रांची। भारतीय रेलवे 15 जुलाई को आईआरसीटीसी वेबसाइट का नया बीटा वर्जन लॉन्च करने जा रहा है। इसके लॉन्च होते ही ट्रेन की टिकट बुक करते समय धीमी वेबसाइट, उलझाने वाले कैप्चा और बार-बार आने वाले पॉप-अप्स से लोगों को निजात मिल जाएगी।

बदलावों की बात करें तो अब टिकट बुक करते समय चमकदार और परेशान करने वाले ग्राफिक्स के साथ विज्ञापन नहीं दिखेंगे। कैप्चा को आसान और छोटा कर दिया गया है, जिससे लॉगइन में टाइम न लगे।

यात्रियों को अब अलग-अलग क्लास जैसे स्लीपर, थर्ड एसी, सेकंड एसी पर क्लिक करके सीट चेक नहीं करनी होगी। सभी क्लास में उपलब्ध सीट एक साथ एक ही स्क्रीन पर दिखाई देगी। टिकट बुक करने के प्रोसेस को छोटा कर दिया गया है। अभी यात्रियों को हर बार पूरी डिटेल भरनी पड़ती है। नए वर्जन में पैसेंजर्स की जानकारी सेव रहेगी, जिससे हर बार डिटेल भरने की जरूरत नहीं होगी। रेल मंत्रालय के अनुसार, तत्काल टिकटों की बुकिंग के दौरान फर्जी ऑटोमैटिक बुकिंग को रोकने के लिए ये बड़ा फैसला लिया गया है।

कैप्चा: कोई अनावश्यक कैप्चा, पॉप-अप या चमकते हुए ग्राफिक्स नहीं होंगे। अभी तक कई बार कैप्चा देना पड़ता था, तथा कई पॉप-अप आते थे।

सीट: अभी तक एक बार में एक ही क्लास के सीट की उपलब्धता दिखती थी। अब एक साथ सभी क्लास में सीट की उपलब्धता दिखाई देगी।

चेकआउट तेज : नए पोर्टल पर टिकट बुकिंग के स्टेप्स को कम किया गया है, जिससे चेकआउट प्रोसेस पहले से काफी फास्ट हो जाएगा।

दोबारा बुकिंग आसान: एक बार टिकट बुक करने पर यात्री की जानकारी सेव रहेगी। पहले से सेव डिटेल्स के जरिए दोबारा बुकिंग आसान होगी।

तत्काल बुकिंग में बॉट पर लगेगी लगाम: बॉट एक कंप्यूटर प्रोग्राम है जो पूर्व-निर्धारित निर्देशों का पालन करते हुए स्वचालित रूप से कार्य करता है। इसका उपयोग करते हुए डेटा एंट्री और शेड्यूलिंग जैसे कार्य बहुत तेजी से किए जा सकते हैं। दलाल ऑनलाइन टिकट लेने के लिए कंप्यूटर बॉट का सहारा लेते हैं। यात्रा और यात्री के विवरण सहित पूरी जानकारी पहले से कंप्यूटर में होने से विंडो खुलने के महज चंद सेकंड में टिकट बना लेते हैं। नई वेबसाइट में तत्काल बुकिंग के दौरान ऑटोमैटिक बॉट के इस्तेमाल को रोकने के उपाय किए गए हैं।

मानसून सक्रिय, 3 दिन भारी बारिश के आसार:बंगाल की खाड़ी में डीप डिप्रेशन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर

रांची। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के असर से झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी समेत झारखंड के विभिन्न भागों में सोमवार से बादल गहराएंगे और रुक-रुक कर बारिश होगी।

रांची समेत राज्य के कई हिस्सों में वज्रपात का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है।

रविवार को बंगाल की खाड़ी में डीप डिप्रेशन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर रांची समेत कई जिलों में देखने को मिला। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। उमस से लोगों को परेशानी हुई। रामगढ़ में सबसे अधिक 22.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कई जिलों में तेज हवा, गरज और वज्रपात को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इधर, राज्य में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। राजधानी रांची में 263.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से 17 प्रतिशत कम है। मानसून की सक्रियता से बारिश की कमी पूरी होने की उम्मीद है।

13 जुलाई : बादल छाए रहेंगे। हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। 30-40 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

14 जुलाई: को गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह सहित पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला खरसावां में भारी वर्षा होने की संभावना है।

15 जुलाई : को गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो में भारी बारिश की संभावना है।

गिरिडीह के पचंबा वार्ड-2 स्थित आनंद कुटीर सोसाइटी का मामला; ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने और नए सिरे से निर्माण की मांग

गिरिडीह। गिरिडीह गिरिडीह नगर निगम के पचंबा वार्ड नंबर-2 स्थित आनंद कुटीर सोसाइटी में करीब ?14.5 लाख की लागत से बनी नाली निर्माण के पांच महीने के भीतर ही भरभराकर टूटने लगी है। निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी का आलम यह है कि नाली का ढांचा बिखरने लगा है और ढलाई का हिस्सा अलग हो रहा है। ढलाई में जहां लोहे के छड़ (सरिया) का इस्तेमाल होना था, वहां ठेकेदार ने कई जगहों पर बांस की कमाची और बोरे बिछाकर ऊपर से सीमेंट की पतली परत चढ़ा दी थी। इसके अलावा नाली के पानी के निकास को किसी बड़े बाहरी नाले से जोड़ने के बजाय बीच मोहल्ले में घरों के पास ही खुला छोड़ दिया गया है। इससे घरों से निकलने वाले पानी की निकासी ठप हो गई है और लोगों के घरों के सामने जलजमाव होने से संक्रमण का खतरा पैदा हो गया है। इस घटिया निर्माण और नगर निगम की अनदेखी के खिलाफ आनंद कुटीर सोसायटी के निवासियों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम प्रशासन से पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों ने ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करते हुए उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और प्राक्कलन (एस्टीमेट) के अनुसार नए सिरे से मजबूत नाली का निर्माण कराने की मांग की है।

राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी:सीओ की गिरफ्तारी पर झासा भड़का, कहा-एसीबी की कार्रवाई गैरकानूनी

रांची। बुढ़मू के अंचल अधिकारी (सीओ) सच्चिदानंद कुमार वर्मा की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा की गई गिरफ्तारी पर झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ (झासा) ने कड़ा विरोध जताया है। रविवार को केंद्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक में संघ ने इस कार्रवाई को गैरकानूनी, असंवैधानिक और दमनकारी बताते हुए इसकी निंदा की।

झासा का आरोप है कि एसीबी ने नियमों की अनदेखी करते हुए 9 जुलाई की अहले सुबह 3 बजे सीओ को उनके आवास से अपमानजनक तरीके से गिरफ्तार किया और इसकी सूचना परिजनों तक को नहीं दी। संघ का दावा है कि सीओ न तो रंगे हाथ पकड़े गए और न ही उनके पास से कोई वित्तीय बरामदगी हुई।

झासा ने आशंका जताई कि अधिकारी भू-माफियाओं के षड्यंत्र का शिकार हुए हैं। संघ ने कहा कि इस कार्रवाई से पूरे प्रशासनिक संवर्ग का मनोबल प्रभावित हुआ है। उसने राज्य सरकार से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और नियमों का उल्लंघन करने वाले एसीबी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि जल्द न्याय नहीं मिला तो राज्यव्यापी चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

1	9	4		2			5	8
3				8	4			
6			3					
9	4	3	7		1	2	8	6
7		2		3	8	5	9	
				9	6			4
2					3		1	5
					9		4	
	1			6				3

पिछले अंक का उत्तर

1	7	5	2	9	4	8	3	6
6	2	3	1	8	7	9	4	5
8	9	4	5	6	3	2	7	1
5	1	9	7	3	2	4	6	8
3	4	7	8	5	6	1	2	9
2	8	6	9	4	1	7	5	3
9	3	8	4	2	5	6	1	7
4	6	1	3	7	9	5	8	2
7	5	2	6	1	8	3	9	4

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

उसरी नदी से फैक्ट्री तक पाइपलाइन बिछाने का विरोध

गिरिडीह। उसरी नदी से पाइपलाइन के माध्यम से पानी लेकर फैक्ट्री तक पहुंचाने की प्रस्तावित योजना के खिलाफ रविवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। गंगापुर गांव से चतरो मोड़ तक बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने सड़कों पर उतरकर विशाल पैदल मार्च निकाला। यह मार्च भाकपा (माले), असंगठित मजदूर मोर्चा, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामस), अखिल भारतीय किसान महासभा और एक आवाज प्रदूषण के खिलाफ संगठन के संयुक्त बैनर तले 'उसरी बचाओ अभियान'के तहत आयोजित किया गया। मार्च के दौरान पूरा इलाका 'उसरी फॉल बचाओ', 'पानी चोर सावधान' और 'प्रकृति बचाओ' जैसे गगनभेदी नारों से गूंज उठा। पैदल मार्च का नेतृत्व कर रहे माले नेता राजेश सिन्हा, कन्हाई पांडेय और दीपक गोस्वामी ने कहा कि उसरी नदी के अस्तित्व पर आज बड़ा खतरा मंडरा रहा है। गंगापुर से चतरो स्थित बालमुकुंद फैक्ट्री तक सड़क किनारे पाइपलाइन बिछाने के लिए धड़ल्ले से गड्ढे खोदे जा रहे हैं।

अर्जेंटीना छठी बार फुटबॉल वर्ल्डकप सेमीफाइनल में: स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया, एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे; अब इंग्लैंड से मुकाबला

कैंसस। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।

कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ।

मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का 100% जीत का रिकॉर्ड

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।

अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।

स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ।

हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्योॅय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई।

67वें मिनट में डैन एनड्योॅय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया।

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था। इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

बिजनेस न्यूज

अमेरिका-ईरान तनाव से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 500 अंक टूटा, निफ्टी 24,050 के करीब

मुंबई। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर सोमवार को भारतीय शेयर बाजार पर भी साफ दिखाई दिया। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ने की खबरों के बाद निवेशकों में चिंता बढ़ गई, जिसके चलते घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 500 अंक से अधिक टूटकर 76,900 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी करीब 200 अंक की गिरावट के साथ 24,050 के आसपास पहुंच गया।

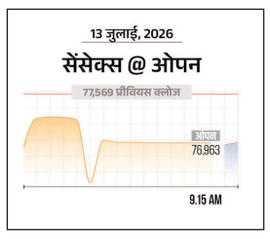

बाजार में सबसे ज्यादा दबाव ऑटो, बैंकिंग और मेटल सेक्टर के शेयरों पर देखने को मिला। निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख किया, जिससे इक्विटी बाजार में बिकवाली तेज हो गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो बाजार में उतार-चढ़ाव कुछ समय तक जारी रह सकता है।

वैश्विक तनाव का असर कच्चे तेल की कीमतों पर भी दिखाई दिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड लगभग 4 प्रतिशत उछलकर 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के साथ समझौते के समाप्त होने संबंधी बयान के बाद ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है। इसका असर आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

चांदी 3,155 गिरकर 2.17 लाख किलो पर आई: एक महीने में 25 हजार कीमत कम हुई, सोना आज 1,079 सस्ता हुआ

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 13 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 3,155 रुपए घटकर 2.17 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,079 रुपए घटकर 1.42 लाख रुपए आ गया है।

बीते 1 महीने में चांदी की कीमत 25 हजार और सोने की कीमत 5 हजार रुपए कम हो चुकी है। 14 जून को चांदी 2.43 लाख और 1.48 लाख रुपए पर था।

चांदी ऑल टाइम हाई से 1.69 लाख रुपए गिरी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 34 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 165 दिन में चांदी 1.69 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

मजबूत अमेरिकी डॉलर: फेडरल रिजर्व के संकेतों के बाद वैश्विक बाजार में अमेरिकी डॉलर इंडेक्स मजबूत हुआ है। आमतौर पर जब डॉलर मजबूत होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरती हैं। मुनाफावसूली: पिछले कुछ समय पहले सोने और चांदी की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी थीं। दामों में इतनी बड़ी तेजी आने के बाद बड़े निवेशकों और ट्रेडर्स ने मुनाफावसूली की, जिससे कीमतों में गिरावट आई है।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

भारत लॉर्ड्स टेस्ट जीतने से 4 विकेट दूर: इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया, यस्तिका ने 113 रन की पारी खेली

स्पोर्ट्स डेस्क। लॉर्ड्स में खेले जा रहे एकमात्र महिला टेस्ट में भारत जीत से सिर्फ 4 विकेट दूर है। तीसरे दिन भारतीय टीम ने दूसरी पारी 341/7 पर घोषित कर इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया। जवाब में तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 40 ओवर में 6 विकेट पर 130 रन बनाए। उसे जीत के लिए अभी 327 रन और चाहिए।

भारत की दूसरी पारी में विकेटकीपर बल्लेबाज यस्तिका भाटिया ने 158 गेंदों पर 113 रन की पारी खेली। वह लॉर्ड्स के ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज कराने वाली पहली भारतीय महिला बल्लेबाज बनीं। स्मृति मंधाना ने 70 और ऋचा घोष ने नाबाद 50 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन ने 5 विकेट लिए।

यस्तिका ने 145 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। वह लॉर्ड्स में टेस्ट शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने 158 गेंदों की पारी में 14 चौके लगाए। दूसरी पारी में उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ 73 और दीप्ति शर्मा के साथ 52 रन की साझेदारी की।

यस्तिका के आउट होने के बाद ऋचा घोष ने 52 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाए। सायली सतघारे 18 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत ने 86.3 ओवर में 341/7 पर पारी घोषित कर दी और इंग्लैंड के सामने 457 रन का लक्ष्य रखा।

इंग्लैंड की आधी टीम पवेलियन लौटी

457 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। टैमी ब्यूमोंट बिना खाता खोले आउट हुईं। माया बुशिएर (3), हीदर नाइट (8), नेट साइवर-ब्रंट (8), एलिस कैप्सी (11) और मैडी विलियर्स (8) भी सस्ते में पवेलियन लौट गईं। दिन का खेल खत्म होने तक एमी जोन्स 52 और सोफी एक्लेस्टोन 1 रन बनाकर नाबाद थीं।

भारत की ओर से स्नेह राणा, क्रांति गौड़ और सायली सतघारे ने 2-2 विकेट लिए। तीनों गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर इंग्लैंड को मैच से लगभग बाहर कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनवाया प्रतिभा का लोहा: प्रदेश की ज्ञानेश्वरी भारतीय टीम में, ग्लासगो में 53 किलो वजन वर्ग में दिखाएंगी दम

रायपुर। कॉमनवेल्थ गेम्स की भारतीय टीम में जगह बनाने वाली छत्तीसगढ़ की वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव की कहानी सिर्फ गोल्ड मेडल की नहीं, बल्कि एक पिता के त्याग और भरोसे की भी है।

सातवीं कक्षा में पहली बार बारबेल उठाने वाली ज्ञानेश्वरी अब भारत की जर्सी पहनकर 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले गेम्स में देश के लिए मेडल जीतने उतरेंगी। इस सफर में सबसे बड़ी चुनौती ट्रेनिंग नहीं, बल्कि डाइट का खर्च था।

पिता दीपक यादव बताते हैं कि वे खुद भी बॉडीबिल्डर रहे हैं, लेकिन बाद में खेल में आगे नहीं आ सके। वे कहते हैं खिलाड़ी की सबसे बड़ी जरूरत अच्छी डाइट होती है। इसके लिए उन्होंने इलेक्ट्रिशियन के तौर पर सालों तक ओवरटाइम किया, ताकि बेटी के सपनों में किसी चीज की कमी न रहे। स्कूल नेशनल से लेकर ओपन नेशनल, फिर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक ज्ञानेश्वरी लगातार मेडल जीतती रहीं।

सातवीं में उठाया पहला वेट, अब भारत की उम्मीद

ज्ञानेश्वरी ने सातवीं कक्षा से वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। फिर लगातार स्कूल नेशनल, ओपन नेशनल व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतती चली गईं। हाल ही में नेशनल चैंपियनशिप में 53 किलोग्राम वर्ग का गोल्ड पदक जीतने के बाद उनका चयन कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय टीम में हुआ है।

दावा- इंग्लैंड दौरे के बाद भारत का कोचिंग स्टाफ बदलेगा: गंभीर के दो भरोसेमंद कोच हट सकते हैं

स्पोर्ट्स डेस्क। इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो टी-20 सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ में बदलाव हो सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल टीम से बाहर हो सकते हैं। दोनों का मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद खत्म हो रहा है।

लगातार खराब प्रदर्शन के बाद **BCCI** टीम और सपोर्ट स्टाफ का रिव्यू करेगा। टीम की खराब फील्डिंग भी बोर्ड की चिंता बढ़ा रही है। भारत ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर 10 से ज्यादा कैच छोड़े। ऐसे में फील्डिंग कोच टी. दिलीप को भी हटाया जा सकता है। पिछले साल उन्हें अभिषेक नायर के साथ टीम से बाहर किया गया था, लेकिन बाद में दोबारा जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रयान टेन डोशेट पूरे साल भारतीय टीम के साथ लगातार यात्रा करने से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने अपनी यह बात **BCCI** के सामने भी रखी है। साथ ही उनके किसी **IPL** फ्रेंचाइजी से जुड़ने की चर्चा है। वहीं, मोर्ने मोर्कल भी दूसरे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

बालाजी को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

अगर रेयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्कल सपोर्ट स्टाफ से बाहर होते हैं, तो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के नए फास्ट बॉलिंग कोच लक्ष्मीपति बालाजी को श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के साथ भेजा जा सकता है। भारत अगस्त की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। वहीं, जुलाई के आखिर में जिम्बाब्वे दौरे पर होने वाली टी-20 सीरीज में वीवीएस लक्ष्मण **CoE** के कोचिंग स्टाफ के साथ टीम इंडिया की जिम्मेदारी संभालेंगे।

गंभीर ने खुद चुने थे दोनों कोच

रयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्कल को गौतम गंभीर ने जुलाई 2024 में हेड कोच बनने के बाद अपने सपोर्ट स्टाफ में शामिल किया था। इससे पहले बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर की जगह सितांशु कोटक को जिम्मेदारी दी जा चुकी है। अब इंग्लैंड दौरे के बाद गंभीर के सपोर्ट स्टाफ में एक और बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता:ज्वेरेव को चार सेट में हराया; युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैच देखने पहुंचे

लंदन। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए।

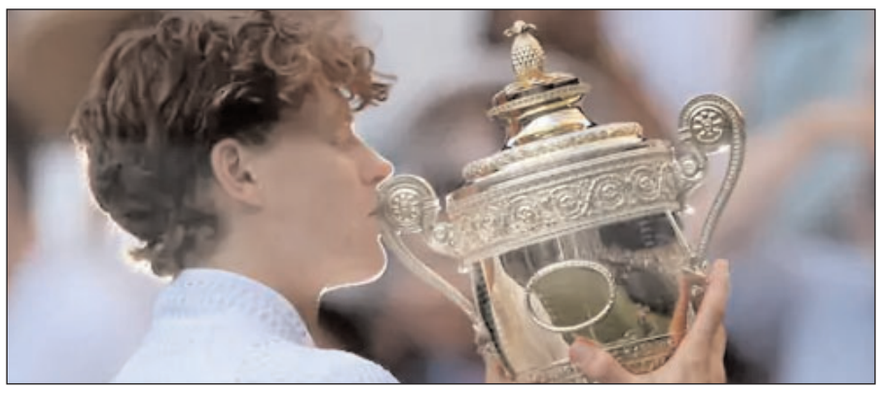

24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की। चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब ?42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

पहला सेट गंवाया, फिर शानदार वापसी

फाइनल का पहला सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, जहां ज्वेरेव ने बढ़त बना ली। फिर सिनर ने दूसरे सेट का टाई-ब्रेक जीतकर मुकाबले में बराबरी की।

तीसरे और चौथे सेट में उन्होंने एक-एक बार ज्वेरेव की सर्विस तोड़ी और पूरे मैच में अपने खिलाफ मिले इकलौते ब्रेक प्वाइंट को भी बचा लिया।

सिनर ने मुकाबले में 58 विनर्स लगाए और पहला चैंपियनशिप प्वाइंट भुनाते ही कोर्ट पर लेटकर जीत का जश्न मनाया।

एमसीबी का ग्राम बरदर बना प्रकृति संरक्षण का रोल मॉडल, 52 एकड़ में जल संवर्धन और फलोद्यान से बदलेगी ग्रामीण तस्वीर

रायपुर। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां विकासखंड अंतर्गत ग्राम बरदर प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका का एक उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभर रहा है। राज्य शासन के महत्वाकांक्षी 'मोर गांव मोर पानी' महा अभियान के तहत यहां 52 एकड़ क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, जल सुरक्षा और आजीविका संवर्धन को एक साथ जोड़ते हुए ऐसा समग्र विकास मॉडल तैयार किया जा रहा है, जो आने वाले समय में जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय उदाहरण बनेगा। इस पहल के अंतर्गत 30 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न वैज्ञानिक जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिससे प्रत्येक वर्ष करोड़ों लीटर वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित होगी। वहीं शेष 22 एकड़ क्षेत्र में दो हजार से अधिक उन्नत फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर फलोद्यान विकसित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलने के साथ दर्जनों महिला स्व-सहायता समूहों को स्थायी रोजगार एवं नियमित आय का अवसर प्राप्त होगा।

ग्राम बरदर में जल संरक्षण को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विकसित किया गया है। सात एकड़ क्षेत्र में 30म40 मॉडल के तहत 240 संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिनके माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 40 लाख लीटर वर्षा जल का संग्रहण एवं भूजल रिचार्ज संभव होगा। इसके साथ ही 1800 मीटर लंबाई में जल अवशोषण ट्रेंच एवं सीपीटी संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिनसे प्रतिवर्ष लगभग 60 लाख लीटर जल भूमि में समाहित होगा। पांच एकड़ क्षेत्र में 5000 कंटूर ट्रेंच तैयार किए गए हैं, जिनकी क्षमता लगभग 70 लाख लीटर वर्षा जल के संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण की है। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का बहाव नियंत्रित होगा, मिट्टी का कटाव रुकेगा, भूजल स्तर में सुधार होगा तथा भविष्य में सिंचाई एवं पेयजल की उपलब्धता भी बेहतर होगी।

गांव में जल संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगभग पांच लाख रुपये की लागत से 40 बोल्डर चेक डेम बनाए गए हैं। इसके अलावा 1.80 लाख रुपये की लागत से दो गेबियन संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जो बरसाती जलधाराओं को नियंत्रित कर जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। क्षेत्र में 19 लाख रुपये की लागत से एक पक्का चेक डेम भी निर्मित किया गया है, जिससे लगभग 15 एकड़ कृषि भूमि को वर्षभर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी तथा 12 कृषक परिवारों के साथ उद्यान विभाग की नर्सरी को भी पर्याप्त जल मिलेगा। इसी प्रकार 16 लाख रुपये की लागत से एक अर्दन चेक डेम का निर्माण किया गया है, जिससे लगभग 10 एकड़ भूमि सिंचित होगी और पांच कृषक परिवार सीधे लाभान्वित होंगे। इन सभी संरचनाओं के कारण वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होगा तथा क्षेत्र में कृषि उत्पादन और हरित आवरण दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी ग्राम बरदर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विगत वर्ष यहां तीन एकड़ क्षेत्र में 500 पौधों का सफल वृक्षारोपण कर उनका संरक्षण किया गया था। इस वर्ष इस अभियान को और व्यापक रूप देते हुए उद्यान विभाग द्वारा 22 एकड़ क्षेत्र में दो हजार से अधिक फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया जा रहा है। इसके साथ ही नर्सरी विकास का कार्य भी किया जा रहा है, जिससे भविष्य में पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ स्थानीय लोगों को बागवानी के नए अवसर प्राप्त होंगे। विकसित हो रहा यह फलोद्यान केवल हरित क्षेत्र बढ़ाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके माध्यम से दर्जनों महिलाओं को स्थायी रोजगार, नियमित आय और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। फल उत्पादन, पौधों के रखरखाव, नर्सरी प्रबंधन और प्रसंस्करण जैसी गतिविधियों से महिला स्व-सहायता समूहों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और ग्रामीण परिवारों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

ग्राम बरदर में विकसित हो रहा यह समेकित मॉडल जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, भूजल संवर्धन, कृषि विकास और महिला सशक्तिकरण का अद्भुत संगम है। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन में तैयार किया जा रहा यह प्रयास प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ ग्रामीण विकास की नई दिशा तय कर रहा है। आने वाले वर्षों में यह मॉडल न केवल जल संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, बल्कि हरित विकास, टिकाऊ कृषि, महिला आजीविका और ग्रामीण समृद्धि का सशक्त उदाहरण बनकर एमसीबी जिले की नई पहचान स्थापित करेगा।

कुपोषण के खिलाफः आईएमए और प्रशासन की जुगलबंदी से संवर रहा 30 बच्चों का बचपन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कुपोषण मुक्ति का संकल्प अब एक जन-आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप और कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की संयुक्त पहल ने सारंगढ़ विकासखंड में उम्मीद की एक नई किरण जगाई है।

हाल ही में आयोजित एक विशेष स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से न केवल 30 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, बल्कि उनके पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक की जिम्मेदारी भी उठाई गई है। यह कहानी शासकीय संकल्प और सामाजिक सहभागिता के उस बेहतरीन समन्वय की है, जो राज्य के लिए एक मिसाल बन रही है। अक्सर उत्सवों को औपचारिकताओं में मनाया जाता है, लेकिन आईएमए की जिला इकाई ने इस बार 'चिकित्सक दिवस' को सेवा की नई परिभाषा दी। आईएमए के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने ग्राम छुहीपाली के 15 कुपोषित बच्चों को गोद लेने का संवेदनशील निर्णय लिया। इन बच्चों के संपूर्ण इलाज, आवश्यक दवाइयों और विशेष पोषण आहार का पूरा खर्च अब एसोसिएशन द्वारा वहन किया जाएगा। शुक्रवार को सारंगढ़ विकासखंड में आयोजित इस विशेष शिविर में ग्राम छुहीपाली के 15 बच्चों सहित कुल 30 कुपोषित बच्चों की गहन स्वास्थ्य जांच की गई। जिला चिकित्सालय की शिशु रोग विशेषज्ञ ने बच्चों का बारीकी से परीक्षण किया। जांच के दौरान जिन बच्चों में गंभीर कुपोषण (SAM) के लक्षण पाए गए, उन्हें तत्काल पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC) में भर्ती कराने की सलाह दी गई, ताकि उन्हें चौबीसों घंटे चिकित्सकीय देखरेख मिल सके।

यह अभियान केवल एक दिन के शिविर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए एक मुस्तैद फॉलो-अप प्लान तैयार किया गया है।स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हर सप्ताह बच्चों के वजन और शारीरिक वृद्धि की कड़ाई से निगरानी करेंगी।

विकसित भारत जी राम जीः पक्की नाली निर्माण से जुंगेरा के ग्रामीणों को मिलेगी जलभराव की समस्या से स्थायी राहत

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करते हुए विकसित भारत जी राम जी के तहत प्रदेश के गांवों में विकास कार्यों को गति मिल रही है। इसी कड़ी में बालोद जिले की ग्राम पंचायत जुंगेरा में वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या के समाधान के लिए पक्की नाली का निर्माण कराया जा रहा है। इस कार्य के पूरा होने से बरसात के दौरान जलजमाव, गंदगी और आवागमन की परेशानी से ग्रामीणों को स्थायी राहत मिलेगी, वहीं गांव में स्वच्छता और बेहतर जल निकासी व्यवस्था भी सुनिश्चित होगी।

ग्राम पंचायत जुंगेरा की सरपंच नीलम कोठारी ने बताया कि गांव में लंबे समय से कच्ची नाली होने के कारण बरसात के दिनों में पानी गलियों और घरों तक पहुंच जाता था। इससे लोगों का जनजीवन प्रभावित होने के साथ घरेलू सामानों को भी नुकसान उठाना पड़ता था। पंचायत द्वारा कई वर्षों से इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे थे, जो अब साकार हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पक्की नाली के निर्माण से न केवल जल निकासी की व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि गांव में स्वच्छ वातावरण का निर्माण होगा और लोगों का जीवन भी अधिक सुविधाजनक बनेगा। ग्रामीणों में इस विकास कार्य को लेकर उत्साह का माहौल है। उनका कहना है कि वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने से बरसात के मौसम में होने वाली परेशानियों से हमेशा के लिए राहत मिलेगी। सरपंच नीलम कोठारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी सोच और विकासोन्मुखी नीतियों के कारण आज गांवों में ऐसे स्थायी और जनहितकारी विकास कार्य तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो रहा है।

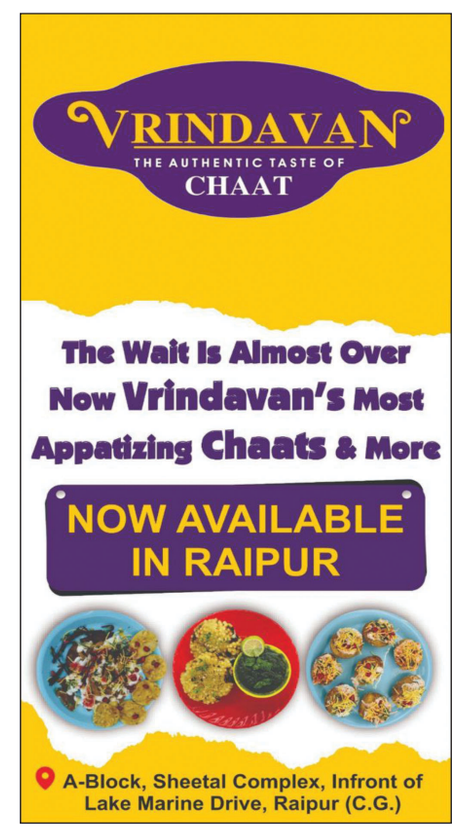

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684